आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 144- ● जबलपुर ● शनिवार, 25 जून, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-12 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

24 घंटे देखे यश भारत
डिजिटल न्यूज चैनल
DIGIANA NEWS 91
hathway 598
UCN NEWS HD 81

बूथ में प्याऊ की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत

भोपाल, यश भारत। सतना के मझगवां जनपद के मतदान केंद्र किटहा में प्याऊ की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। राजा कुशवाहा प्याऊ के पास बैठा हुआ था, तभी उसकी दीवार गिर गई।

एस आई ने दिव्यांग मतदाता को धक्का देकर भगाया

दमोह के पथरिया जनपद की ग्राम पंचायत केवलारी में स्ढ्ढ इंद्राज चौधरी ने दिव्यांग मतदाता को धक्का देकर पोलिंग बूथ से भगा दिया। इससे लोग भड़क गए।

बूथों पर लगीं मतदाताओं की लंबी -लंबी कतारें

गांव की सरकार चुनने खासा उत्साह

मप्र पंचायत चुनाव के पहले चरण में 115 जनपदों की कुल 8,702 ग्राम पंचायतों में वोटिंग

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायत के प्रथम चरण के लिए मतदान शनिवार सुबह 7 बजे से प्रारंभ हो गया। प्रदेश में प्रथम चरण में 52 जिलों के 115 विकासखण्ड की 8702 ग्राम पंचायतों के 26 हजार 902 मतदान केन्द्रों में मतदान हो रहा है। जो दोपहर 3 बजे तक चलेगा। इसके बाद काउंटिंग शुरू हो जाएगी। हालांकि, परिणामों की घोषणा 14 जुलाई को होगी। पंच, सरपंच, जनपद और जिला पंचायत सदस्य चुने जाएंगे। इस तरह हर एक मतदाता को 4 वोट डालने पड़ रहे हैं। 4 प्रत्याशियों के लिए मतदान करने के कारण मतदाता को काफी समय लग रहा है इस कारण से मतदान की गति भी काफी धीमी चल रही है । पहले चरण में भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में चुनाव निपट जाएंगे। समाचार लिखे जाने तक कहीं 40 तो कहीं 50 प्रतिशत वोट पड़ चुके थे। गांव की सरकार चुनने के लिए ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। महिलाओं में भी मतदान के लिए सुबह से ही लाइन में लग गई थी। सात साल बाद हो रहे इस चुनाव में लोग अपने गांव की सरकार चुनने को लेकर खासे उत्सुक नजर आ रहे हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर महिला व पुरुष मतदाता अलग-अलग कतारों में लगकर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

भिंड में पोलिंग बूथों पर हुए पथराव

भिंड जिले में पंचायत चुनाव में तनावपूर्ण स्थिति है। मिहोना क्षेत्र समेत दर्जनभर पोलिंग बूथ पर असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है। भिंड मिहोना की असनेहट पंचायत के पोलिंग बूथ क्रमांक 148-149 पर पुलिस टीम पर उपद्रवियों ने पथराव किया है। पथराव में एसआई अमित सिकरवार घायल हो गए उनके सिर में चोट लगी है। फर्जी वोट डालने को लेकर विवाद शुरू हुआ था । पंचायत में पिछड़ा वर्ग की सीट थी। इस दौरान वोटिंग को लेकर दो सरपंच पद के उम्मीदवारों के समर्थक आपस में भिड़ गए और पथराव शुरू कर दिया। एसआई अमित सिकरवार घायल हो गए।

लहार की लपवाह पंचायत में फायरिंग

इसी तरह ग्वालियर के लहार की लपवाह पंचायत के बूथ क्रमांक 27, 28, 29 और 30 पर सुबह 10 बजे प्रत्याशियों के समर्थकों में जमकर मारपीट हुई। इसके बाद हवाई फायर भी हुए। मतदान केंद्र पर भगदड़ जैसा माहौल बन गया। पुलिस ने इन हालातों पर काबू पाया।

छिंदवाड़ा में पंच प्रत्याशी का बेलेट पेपर में चुनाव चिह्न बदला

छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा जनपद के पौनार में पंच प्रत्याशी संतोष ठाकुर का बेलेट पेपर में चुनाव चिह्न बदल गया। चुनाव आयोग से चुनाव चिह्न हल आवंटित हुआ था। बेलेट पेपर पर बाल्टी छप गया। इसकी शिकायत एडीएम से की गई है।

जबलपुर जिले की जिन चार जनपद पंचायतों में शनिवार को सुबह सात बजे से मतदान हो रहा है। ये जनपद पंचायतें जबलपुर-बरगी, सिहोरा, पनागर और कुंडम हैं। जिला पंचायत भोपाल की ग्राम पंचायतों में चुनाव हो रहा है। तीन लाख 25 हजार 106 मतदाताओं द्वारा मतपत्र से मतदान किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला-जनपद सदस्यों, सरपंच और पंच का भविष्य मतपेटियों में कैद हो जाएगा।

मुरैना में सरपंच प्रत्याशी के पति ने पिया कीटनाशक

मुरैना के अंबाह जनपद की रूपहटी ग्राम पंचायत का मामला है। महिला सरपंच प्रत्याशी गुड्डी जाटव के पति उत्तम सिंह जाटव कीटनाशक पीकर खुदकुशी कर ली। बताया जाता है कि पंचायत के अन्य दबंग प्रत्याशियों के पतियों ने पत्नी की दावेदारी को खत्म करने और चुनाव में बैठने के लिए उस पर दवाब बनाया था।

रणजी ट्रॉफी का फाइनल

रजत पाटीदार ने जड़ा शतक, मध्य प्रदेश बड़े स्कोर की ओर अग्रसर

नई दिल्ली,एजेंसी। रणजी ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला मध्य प्रदेश और मुंबई के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जारी है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने मुंबई के 374 रनों के सामने तीन विकेट के नुकसान पर 368 रन बना लिए हैं। यश दुबे और शुभम शर्मा के शतकों के दम पर एमपी ने मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है। चौथे दिन मध्य प्रदेश की नजरें मुंबई पर बढ़त हासिल कर जीत की तरफ कदम बढ़ाने पर होगी। बता दें, नियमों के अनुसार मुकाबला ड्रॉ रहने पर पहली पारी में बढ़त हासिल करने वाली टीम को विजेता घोषित कर दिया जाता है। ऐसे में मध्य प्रदेश के खिताब जीतने के चांस ज्यादा है। (देखें खेल पेज भी)

शिवसेना के पूर्व मंत्री पर कार्रवाई, ED ने 78 करोड़ की संपत्ति जब्त की

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में जारी सियासी संकट के बीच जालना में शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर की 78 करोड़ की प्रॉपर्टी को श्वष्ठ ने जब्त किया है। इसमें 200 एकड़ जमीन, एक कारखाना और कुछ फ्लैट शामिल हैं। खोतकर उद्धव गुट के नेता माने जाते हैं। यह कार्रवाई देर रात की गई।

26/11 मुंबई हमले का मास्टर माइंड साजिद मीर जिंदा

इस्लामाबाद,एजेंसी, । पाकिस्तान ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के सूत्रधार साजिद मीर को हिरासत में लिया है। इससे पहले कुख्यात पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने एफबीआई की ओर से मोस्ट वांटेड घोषित साजिद की मौत होने का दावा किया था। विशेषज्ञों के मुताबिक एफएटीएफ की ग्रे सूची से निकलने के लिए पाकिस्तान ने मीर को सजा दिलाने का नाटक किया है।निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, एफबीआई के एक अधिकारी ने बताया है कि मीर पाकिस्तान में जिंदा है, हिरासत में है और उसे सजा सुनाई गई है। मीर को मोस्ट वांटेड सूची में शामिल करते हुए एफबीआई ने 2011 में उस पर 50 लाख डॉलर का इनाम रखा था। अमेरिका और भारत दोनों ही एक दशक से उसे खोज रहे हैं। लश्कर सरगना हाफिज सईद के करीब साजिद को मुंबई हमले की योजना बनाने वाले डेविड कोलमैन हेडली और अन्य आतंकवादियों का हैंडलर माना जाता है।

शिवसैनिकों का हंगामा, कई हिस्सों में मचाई तोड़फोड़

नई दिल्ली,एजेंसी। महाराष्ट्र में सियासी घमासान जारी है। अब तक हाई प्रोफाइल ड्रामा हुआ, लेकिन तस्वीर साफ नहीं है कि आगे क्या होगा? सभी की नजर महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर पर है। डिप्टी स्पीकर कोई कदम उठाते हैं तो ही एक्शन आगे बढ़ेगा? तभी राज्यपाल और सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचेगा? इस बीच, मुंबई से लेकर दिल्ली और गुवाहाटी तक बैठकों का दौर जारी है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में बगावत कर चुका बागी विधायकों का समूह गुवाहाटी स्थित होटल में ठहरा हुआ है। वहीं, मुंबई में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी आज सेना भवन में अहम बैठक बुलाई है। वहीं, एकनाथ शिंदे और दो निर्दलीय विधायकों ने महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिरवाल पर उद्धव कैंप का पक्ष लेने के आरोप लगाए गए हैं और उन्हें हटाए जाने की मांग उठी है।

अब राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आज अहम फैसला, क्या उद्धव ठाकरे देंगे इस्तीफा

महाराष्ट्र में शिवसैनिकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया है। खबर है कि एकनाथ शिंदे के समर्थक विधायक 58 वर्षीय तानाजी शिंदे के कार्यालय में तोड़फोड़ की जा रही है। साथ ही उनके कारोबार को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। हाल ही में शिवसेना सांसद संजय राउत ने धमकी दी थी कि शिवसैनिक भड़क गए तो आग लग जाएगी।

संजय राउत के तीखे बोल

शिवसेना सांसद संजय राउत ने अब बागी विधायक एकनाथ शिंदे को खुलकर धमकी दे दी है। उन्होंने कहा, च्आप एक विधायक हैं इसलिए आपको सुरक्षा मिली है। आपके परिवार के सदस्यों को वैसी ही सुरक्षा मुहैया नहीं कराई जा सकती।

गुजरात दंगों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बोले अमित शाह

जिन लोगों ने आरोप लगाए वे पीएम से माफी मांगें

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को इंटरव्यू में 2002 के गुजरात दंगे पर कई बड़े खुलासे किए। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर संतोष जताया। शाह ने इस पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पीएम मोदी पर लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया। पीएम मोदी पर गलत आरोप लगाए गए थे। ऐसा करने वालों को अब माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि मोदीजी ने हमेशा ही कानून का साथ दिया। अमित शाह ने बताया कि 18-19 साल की लड़ाई, देश का इतना बड़ा नेता एक शब्द बोले बगैर सभी दुखों को भगवान शंकर के विषपान की तरह गले में उतारकर सहन कर लड़ता रहा। आज जब अंत में सत्य सोने की तरह चमकता हुआ आ रहा है, तो अब आनंद आ रहा है। मैंने मोदी जी को नजदीक से इस दर्द को झेलते हुए देखा है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया चल रही थी तो सब कुछ सत्य होने के बावजूद भी हम कुछ नहीं बोलेंगे.. बहुत मजबूत मन का आदमी ही ये स्टैंड ले सकता है। शाह ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने सभी आरोपों को खारिज किया है। आप कह सकतें हैं कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने ये सिद्ध कर दिया है कि सभी आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित थे। मोदी जी से भी पूछताछ हुई थी लेकिन तब किसी ने धरना-प्रदर्शन नहीं किया था और हमने कानून को सहयोग दिया और मेरी भी गिरफ्तारी हुई थी लेकिन कोई भी धरना-प्रदर्शन नहीं हुआ था। जिन लोगों ने मोदी जी पर आरोप लगाए थे अगर उनकी अंतरात्मा है ।

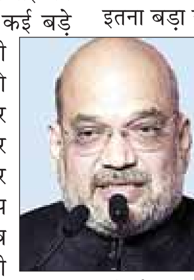

राज सरकार की मांग पर प्रदेश में IPS के 14 पद और बढ़े

भोपाल,यशभारत। मध्यप्रदेश में भारतीय पुलिस सेवा का नया स्वरूप नजर आएगा। [illegible] कैडर रिव्यू होने के बाद प्रदेश में 14 आईपीएस असफर बढ़ गए हैं। आईपीएस कैडर के 222 पद मंजूर हैं, यह पद सीधी भर्ती से भरे जाने वाले हैं। इसी तरह 97 वो पद शामिल हैं, जो आईपीएस रिक्रूटमेंट रेगुलेशन के तहत प्रमोशन से भरे जाने वाले हैं। सीनियर ड्यूटी पोस्ट 173 हैं। सेंट्रल डेपुटेशन में 69, स्टेट डेपुटेशन में 43 पद हैं। ट्रेनिंग के लिए 6 पद रिजर्व हैं। लीव रिजर्व और जूनियर पोस्ट रिजर्व कैटेगरी में 28 हैं। कुल ऑथराइज्ड पोस्ट 319 हो गए हैं। इससे पहले इन पदों की संख्या 305 थी। कैडर रिव्यू का प्रस्ताव मप्र सरकार के गृहविभाग ने केंद्र सरकार को भेजा था।

अमरनाथ यात्रा 30 जून से 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा 30 जून से शुरू हो रही है जो 11 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। 13 साल से कम और 75 वर्ष से अधिक और 6 हफ्ते से ज्यादा की प्रेग्नेंट महिला को यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। एक अनुमान के मुताबिक, इस बार की अमरनाथ यात्रा में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं श्राइन बोर्ड ने पहलगाम और बालटाल दोनों यात्रा मार्गों पर प्रतिदिन 10 हजार श्रद्धालुओं की संख्या तय करने पर सहमति दी है, इनमें हेलिकॉप्टर से यात्रा करने वालों की संख्या शामिल नहीं होगी। इस बार फ्री बैट्री व्हीकल सुविधा का विस्तार बालटाल से डोमेल के 2 किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग पर करने का फैसला किया गया है।अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सुरक्षाबलों की 250 कंपनियों के करीब 1 लाख जवानों को तैनात करने की योजना है। इसमें [illegible] के जवान प्रमुख होंगे। अमरनाथ यात्रा के दौरान लंगरों में फ्राइड फूड, जंक फूड, स्वीट डिश, चिप्स, समोसे जैसी चीजें नहीं मिलेंगी। ऐसी दर्जनों चीजें बैन कर दी गई हैं। श्राइन बोर्ड ने सभी लंगर कमेटियों को पत्र लिखा है कि यात्रियों को हरी सब्जियां, सलाद, मक्के की रोटी, सादी दाल, लो फैट दूध और दही जैसी पौष्टिक चीजें ही दी जाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय पर लिए गए इस फैसले में बताया गया है कि हेल्दी फूड यात्रियों की सेहत ठीक रखेगा।

असम, मेघालय में बाढ़ का तांडव

खाने को तरसे लोग तो बिलख रहे दुधमुहे, नर्क बनी जिंदगी

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्वोत्तर इलाकों असम और मेघालय में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। सबसे बुरे हालात असम के हैं। यहां बाढ़ के कारण शुक्रवार को 10 और लोगों की मौत हो गई जबकि कछार जिले में सिलचर शहर लगातार पांचवें दिन जलमग्न रहा। बाढ़ से शुक्रवार को 30 जिलों में 45 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।लगभग तीन लाख लोगों को भोजन, स्वच्छ पेयजल और दवाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि लगभग पूरा सिलचर शहर बाढ़ के पानी में डूबा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घटने लगा है लेकिन ब्रह्मपुत्र में धुब्री और नागांव में कोपिली खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ और भूस्खलनों के कारण मरने वाले लोगों की संख्या 118 पर पहुंच गई है। बारपेटा, धुब्री, करीमगंज और उदलगुड़ी जिलों में दो-दो लोगों और कछार तथा मोरीगांव में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।असम की बराक घाटी का प्रवेश द्वार माने जाने वाले सिलचर के अधिकतर इलाके जलमग्न हैं। गंभीर रूप से प्रभावित जिलों और विशेष रूप से कछार जिले, जहां सिलचर स्थित है, में अतिरिक्त संसाधनों के साथ बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाई गई है। घाटी के तीन जिले - कछार, हैलाकांडी और करीमगंज - बराक और कुशियारा नदी के बढ़ते जलस्तर से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण सबसे अधिक प्रभावित जिला बारपेटा है जहां 10,32,561 लोगों पर इसका प्रभाव पड़ा हैं, इसके बाद कामरूप जिले में 4,29,166 लोग प्रभावित हुए हैं।

वायनाड में राहुल गांधी के ऑफिस पर हमला

दफ्तर में घुसकर भीड़ ने की तोड़फोड़

वायनाड ,एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के केरल के वायनाड दफ्तर में शुक्रवार दोपहर कुछ लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। कांग्रेस ने घटना के पीछे स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का हाथ होने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा कि SFI के गुंडों ने पार्टी कार्यालय में मौजूद स्टाफ से मारपीट भी की। कांग्रेस सांसद के दफ्तर में तोड़फोड़ का वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि शुक्रवार दोपहर को वायनाड में कुछ लोग कांग्रेस सांसद के दफ्तर की खिड़कियों पर चढ़ गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। हाथों में SFI के झंडे लिए कुछ लोग दफ्तर के अंदर तक पहुंच गए। वहां इन लोगों ने नारेबाजी की और सामान भी तोड़ दिया।

कांग्रेस का आरोप- SFI के हमलावरों ने स्टाफ को भी पीटा

कांग्रेस ने कहा- हमले के लिए केरल के सीएम जिम्मेदार

कांग्रेस ने राहुल गांधी के दफ्तर पर हमले के लिए केरल के मुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताया है। युवक कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने आरोप लगाया कि केरल में अराजकता फैल गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर केरल के मुख्यमंत्री इस तरह के उपद्रवियों को संरक्षण क्यों दे रहे हैं।

केंद्र कर्मियों को चुनाव ड्यूटी हेतु अंतरिम राहत

निकाय के अगले दो चरणों में चुनाव ड्यूटी से मुक्ति

जबलपुर यशभारत। केंद्र सरकार और उसके उपक्रमों के अधिकारियों को स्थानीय निकायों के चुनाव में प्रशिक्षण और ड्यूटी के लिए निर्वाचन आयोग के निर्वाचन नियम के तहत बाध्य नहीं किया जा सकता है।चूंकि पहले चरण का चुनाव अगले दिन होना है जिसमें केंद्र सरकार एवं उनके उपक्रम के अधिकारी तैनात हैं जिसकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इससे चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान हो सकता है।इसलिए इसे छो? कर आगामी1और7जुलाई को होने वाले ग्रामीण निकाय के चुनाव में उन्हें इससे मुक्त रखा जाए।इस आशय का आदेश माननीय उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश विशाल धगट ने कल24जून2022को पारित किया। इस संबंध में जबलपुर डिवीजन इंश्योरेंस एम्पलाइज यूनियन की ओर से दायर याचिका में वादी ने अपने पक्ष में मध्यप्रदेश निर्वाचन आयोग के सचिव द्वारा 29 दिसंबर2004जारी आदेश पेश किया जिसमें स्पष्ट है कि केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार के उपक्रमों केअधिकारियों को पंचायत चुनाव ड्यूटी में नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ ही निर्वाचन अधिनियम1995के नियम 24 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है कि केंद्र सरकार और उसके उपक्रमों के अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी में नियोजित नहीं किया जा सकता है।

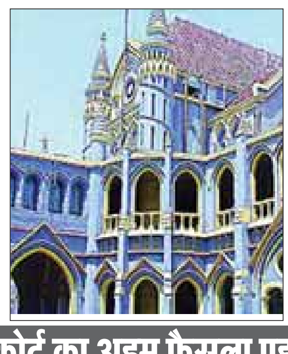

हाईकोर्ट का अहम फैसला पहले चरण में हस्तक्षेप नहीं

सरकारी वकील ने अपने तर्क में कहा कि विगत10मई2022को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया है कि इन चुनावों में बहुत व्यवधान हो चुका है।इसलिए सभी व्यवधानों को दूर कर तत्काल चुनाव कराये जांयें।इसके साथ ही बताया गया कि केंद्र सरकार के निकायों के अधिकारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है।वे मतदान सामग्री लेकर मतदान केंद्रों पर रवाना हो चुके हैं। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होगा और शीर्ष अदालत के आदेश का पालन नहीं हो सकता है।न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किया कि शीर्ष अदालत के आदेश के मद्देनजर कहा कि कल25जून को होने वाले चुनाव में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जाता है।अगले1और7जुलाई को होने वाले पंचायत के दो चरणों के चुनाव में केंद्र सरकार और उसके उपक्रमों के अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

शासकीय अधिवक्ताओ की नियुक्तियों में आरक्षण नियम लागू के लिए याचिका दायर

प्रदेश की समस्त जिला न्यायलयों, उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय तथा अधिकरणों में शासन की ओर से नियुक्त शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्तयों में आरक्षण अधिनियम 1994 के प्रावधानों के अनुसार आरक्षण लागू करने हेतु ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अधिवक्ताओ द्वारा याचिका दाखिल की गई थी जिसे सिंगल बैंच ने यह करते हुए खारिज कर दिया था की यह कोर्ट सरकार को आरक्षण नियम लागू करने का निर्देश नही दे सकती उक्त आदेश के विरूद्ध रिट अपील दाखिल की गई थी जिसे माननीय जस्टिस शील नागू तथा अरुण कुमार शर्मा की डिवीजन बैंच द्वारा विस्तृत सुनवाई करके फैसले हेतु रिजर्व कर ली गई है । याचिका कर्ता ओबीसी एडवोकैट्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से पैरवी अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर,विनायक शाह,उदय कुमार,परमानंद साहू, आर साकेत प्रशान्त चैरसिया ने पक्ष रखा । शासन की ओर से डिप्युटी एडवोकेट विवेक शर्मा ने पक्ष रखा।

बारिश नदारत, सता रही उमस भरी गर्मी

जबलपुर, यशभारत। बारिश न होने के कारण उमस भरी गर्मी सता रही है। शहर के ऊपर केवल बादल मंडराते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन बरस नहीं रहे हैं। इससे मौसम दिन बढ़ने के साथ उमस की स्थिति बन रही है। इस बीच धूप निकलती है तो लोग गर्मी से हलाकान भी हो रहे हैं।सुबह धूप से बढ़ी गर्मी से लोगों को परेशान किया। वातावरण में बढ़ रही गर्माहट से तापमान भी लगातार बढ़ रहा है। अधिकतम तापमान शुक्रवार को भी 35.8 डिग्री तक पहुंच गया।

न्यूनतम तापमान भी 25.4 डिग्री को पार कर गया है। गर्मी से हलकान लोग इस उम्मीद में है बरखा रानी बरसे तो उमस से कुछ राहत मिले। वहीं मौसम विभाग ने शुक्रवार को जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई थी, लेकिन इस नहीं हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन तक यानी 26 जून तक मौसम ऐसा ही रहेगा,पर चार दिन बाद मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा । 27 जून से जबलपुर में अच्छी बारिश हो सकती है। इस दौरान आंधी-तूफान भी चल सकता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनना बंद हो गया है। इस वजह से मानसून की बारिश का दौर थम गया है। 26 जून के बाद ओडिशा तट के पास बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती घेरा सक्रिय हो जाएगा और इसका असर झमाझम बारिश के रूप में नजर आएगा।

रानी दुर्गावती समाधि स्थल पर मुख्यमंत्री का ऐलान ईमारती लकड़ी कटकर आएगी और बिकेगी 20 प्रतिशत जनजाति वर्ग को दी जाएगी

जबलपुर, यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वीरांगना रानीदुर्गावती के बलिदान दिवस के मौके पर जबलपुर पहुंचे और उन्होंने वीरांगन के समाधि स्थल नर्रईनाला में ऐलान करते हुए कहा कि अब मध्यप्रदेश में इमारती लकड़ी को काटने के साथ बेचा भी जाएगा। साथ ही इसकी बिक्री से 20 प्रतिशत जनजाति और वन समितियों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा पाठ्यक्रम में शामिल होगी। उनकी वीरगाथा को रानी दुर्गावती का पाठ नाम से बच्चों को पढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि भाजपा हमेशा से ही जनजाति नायकों को सम्मान देते आ रही है।यहां उन्होंने वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके अलावा सीएम स्थानीय कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

कार्यकर्ता 10 दिन पूरी ताकत लगा दें माहौल हमारे पक्ष में है : वीडी शर्मा

जबलपुर,यशभारत। पूरे प्रदेश में माहौल भाजपा के पक्ष में है बस कार्यकर्ता को आने वाले 10 दिनों तक पूरी ताकत के साथ चुनाव में उतरना है और जीत पक्की करना है, यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साँसद वीडी शर्मा ने जबलपुर प्रवास के दौरान पार्टी कार्यालय में चुनाव प्रभारी, संचालक विधानसभा एवँ मंडल प्रभारी की बैठक में कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बैठक ने कहा पार्टी अपने बूथ प्रबंधन को मजबूत कर और हर बूथ में कार्यकर्ताओं को साथ आकर योजनाबद्ध तरीके से मेहनत करनी होगी। श्री शर्मा ने कहा चुनाव को दिशा देने का कार्य इस टीम को करना है और आपका माइक्रो मैनेजमेंट ही चुनाव में हमारी जीत को और अधिक मजबूत करेगा।उन्होंने कहा हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकार ने विकास के नए आयाम तय किये है और जनता के सर्वांगीण विकास के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने का कार्य किया है यह सारी बातें को जनता तक पहुँचे इसके लिए कार्य करना होगा।

बुथ में कार्यकर्ताओं को साथ आकर योजनाबद्ध तरीके से मेहनत करनी होगी

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने इसके पश्चात चुनाव की व्यवस्था समिति की बैठक को भी संबोधित किया।

बैठक में नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर, प्रदेश मंत्री आशीष दुबे, चुनाव प्रभारी शैलेंद्र बरुआ, सह प्रभारी प्रभात साहू, संचालक विधायक अशोक रोहाणी, सह संचालक संदीप जैन, विधानसभा चुनाव प्रभारी अखिलेश जैन, दीपांकर बैनर्जी, सदानंद गोडबोले, डॉ अभिलाष पांडे, मंडल प्रभारी श्रीराम शुक्ला, सुनील जैन, राजा सराफ, अमर पटेल, मनीष दुबे, विवेक अग्रवाल, सिद्धार्थ शुक्ला, राजीव बेंटिया, मुरली दुबे, रिजवान अंसारी, जयकांत उपाध्याय, भरत मंगलानी, आंनद सोनी, प्रभाशंकर कुशवाहा, नीलेन्द्र चटर्जी, संजय जैन उपस्थित थे।

शीघ्र दूर की जाए शीघ्रलेखकों की वेतन विसंगति - मांग

जबलपुर,यशभारत। मध्य प्रदेश स्टेनोग्राफर संघ ने मांग की कि शीघ्रलेखकों की वेतन विसंगति शीघ्र दूर की जाए ।संघ के संरक्षक रॉबर्ट मार्टिन जिला अध्यक्ष हेमंत ठाकरे ने बताया कि मध्य प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत शीघ्रलेखकों के कार्य तो समान है पर वेतनमान समान नहीं है. वेतन विसंगती के चलते शीघ्रलेखकों को लगातार आर्थिक नुकसान सहना पड़ रहा है. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि देखा जाये तो शीघ्रलेखकों के समकक्ष वेतन पाने वाले अधीक्षक 4200 ग्रेड पे और सहायक अधीक्षक 3600 ग्रेड पे के आधार पर वेतन पा रहे है. कुछ विभाग मे शीघ्रलेखकों का भी वेतन 3600 ग्रेड पे के आधार पर है, पर अधिकतर विभागों को इससे अछूता रखा गया है जो की सीधा सीधा भेदभाव है. मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि शीघ्रलेखकों की वेतन विसंगति को गंभीरता से लेते हुए वित्त विभाग एवं समान्य प्रसाशन विभाग को निर्देशित करने का कष्ट करे की समस्त विभागों के शीघ्रलेखकों के वेतनमान एक समान कर 3600 अथवा 4200 ग्रेड पे के आधार पर वेतन वेतन दिया जाए ।

संघ के बी.पी. पाठक, सत्यनारायण भागरे, जगदीश दीक्षित, अनूप सिंह मरकाम, मनोहर विश्वकर्मा, लक्ष्मीचन्द्र कुशवाहा, राजु डहेरिया, श्रीमती ममता साहू, श्रीमती गुरूशरण कौर, श्रीमती सरोजनी खान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, श्रद्धांजलि बर्मन, श्रीमती लता गरेवाल, पूजा त्रिपाठी, श्रीमती विनीता बेस, श्रीमती नलिनी मुदलियार आदि ने माँग की है की शीघ्र स्टेनोग्राफर की वेतन विसंगति दूर की जाए।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दोहरा कार्य करने मजबूर

मप्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दोहरा कार्य करने के लिए मजबूर हैं। संघ बताया की स्वास्थ्य विभाग के हजारों कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने उप स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत आने वाले हितग्रहीयों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका स्वास्थ्य संबंधी डेटा एन.सी.डी पोर्टल पर दर्ज कराया जा रहा हैं। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा 8 से 10 घण्टे फील्ड पर स्वास्थ्य परीक्षण करने के उपरांत ऑपरेटर बन डाटा कम्पयूटर दर्ज किया जाता है। किन्तु उक्त कार्य में उन कर्मचारियों को अधिक परेशानी होती जो कम्प्यूटर का भारसाधक ज्ञान नहीं रखते हैं। स्वास्थ्य कर्मियों से विभाग डाक्टर का काम तो ले ही रहा साथ ही उनसे कम्प्यूटर ऑरेटर का कार्य भी करा रहा है। जिससे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।संघ के योगेन्द्र दुबे, अर्वेन्द्र राजपूत, अवधेश तिवारी, अटल उपाध्याय, मन्सूर बेग, मुकेश सिंह, आलोक अग्निहोत्री, बृजेश मिश्रा, दुर्गेश पाण्डेय मनोज सिंह, मुकेश मिश्रा आदि।

साई की ओशीन सिंह भारतीय महिला बास्केटबाल टीम में चयनित

जबलपुर,यशभारत। स्पोर्टस अथारिटी ऑफ इंडिया ट्रेनिंग सेन्टर जबलपुर की खिलाड़ी कु0 ओशीन सिंह 16 वर्षीय भारतीय महिला बास्केट बाल टीम में चयनित की गई। विगत दिवस बेंगलुरू में चले लंबे प्रशिक्षण शिविर के दौरान उत्तर उत्कृष्ट खेल कौशल के प्रदर्शन के बल पर जबलपुर के युवा भवन स्थित रामपुर, सेठीनगर के इनडोर बास्केटबाल कोर्ट में विश्वामित्र अवार्डी साँई प्रशासक अंतराष्ट्रीय बास्केटबाल प्रशिक्षक कुलदीपसिंह बरार के द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ी ओशीन सिंह का चयन भारतीय महिला बास्केटबाल टीम में किया गया। कुलदीप सिंह बरार ने बताया कि इसके पूर्व ओशीन सिंह फ्लोरिडा, यूएसए में आयोजित शनियर एनबीए में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। विगत दिवस इन्दौर में आयोजित जूनियर नेशनल बास्केटबाल चैम्पियनशिप के दौरान अच्छे खेल के प्रदर्शन के कारण ओशीन सिंह का भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविर में चयन हुआ था। अम्मान जार्डन के प्रिन्स हामजा हाल स्पोर्टस सिटी में 24 जून से आयोजित 0-16 फीबा एशिया कप बास्केटबाल चैम्पियनशिप के लिये टीम भारतीय टीम रवाना हुई ।सेन्ट जोसफ कान्वेन्ट सदर में कक्षा दसवीं में अध्ययनरत ओशीन सिंह सॉई जबलपुर में डे बोर्ड स्कीम की नियमित खिलाड़ी है। सीमली भुवनेश्वरी सिंह की बेटी ओशीन सिंह के भारतीय महिला टीम में चयनित किये जाने पर अर्जुन अवार्डी मधु यादव, अंतराष्ट्रीय प्रशिक्षक अनिल अब्राहम, मप्र ओलंपिक संघ सचिव दिग्विजय सिंह, साई भोपाल के रीजनल डायरेक्टर सत्यजीत , जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग आशीष पांडेय, जॉफ सचिव बलदेवराज धूपड़, वरिष्ठ खिलाड़ी जिला जबलपुर संघ सचिव विष्णु चंसोरिया, श्रीराम तिवारी एवं म0प्र बास्केटबाल परिवार ने अपनी बधाईयाँ एवं शुभकामनायें प्रेषित की है

कचहरी दरगाह में बैंड बाजों के बीच नातिया कलामो की शानदार प्रस्तुति

महफिले रंग, कुल शरीफ आज

जबलपुर,यशभारत। हाईकोर्ट के सामने स्थित हज़रत सैयद कचहरी वाले बाबा की दरगाह में उर्स के दौरान गत रात्रि बैंड बाजो पर नातिया कलामो की शानदार प्रस्तुति की गई। सूफ़ियाना कलामो की पेशकश पर सूफ़ी हज़रात में कैफियत तारी हो गई। सज्जादानशीन बाबर खां बंदानवाज़ी,खादिमे आला चंगेज़ खान अशरफी की कयादत में हाज़रीनो ने वादक कलाकारों पर नजरानो की बारिश कर दी। कई घंटे चले कार्यक्रम के अंत में सलातो सलाम पेश किया गया। उर्स के पाचवे व अंतिम दिन शनिवार को दरगाह में दोपहर बाद महफिले रंग व कुल शरीफ का एहतेमाम किया जाएगा। दुआए खैर व तकसीमे लंगर तबरुक के साथ उर्स का समापन होगा। सज्जादानशीन ने अक़ीदतमंदो से शिरकत की गुजारिश की है।

किशोर कुमार को समर्पित सुमधुर संगीतमयी निशा, महफ़िल-ए-किशोर

ओ मांझी रे, मैं हूं झूम झूम झूम झुमरू पर झूमे श्रोता

जबलपुर,यशभारत। साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था प्रसंग के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 24 जून को कला वीथिका प्रेक्षागृह में भारतीय सिनेमा के मशहूर गायक संगीतकार गीतकार अभिनेता किशोर कुमार के गाए गीतों से सजी अनूठी मधुर शानदार संगीतमय महफिल का अविस्मरणीय भव्य-दिव्य यादगार 418 वां आयोजन संपन्न हुआ। महफिले किशोर आयोजन में शुभकामनाएं प्रसंग समूह के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन द्वारा प्रेषित की गई।अपार जनसमूह की उपस्थिति में नगर के वरिष्ठ प्रसिद्ध नामी-गिरामी गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक

बेहतरीन लाजवाब गीतों की प्रस्तुतियां दीं। पूरा सभागृह स्वर लहरियों से और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा । नगर के गायक कलाकारों में सलिल तिवारी, चंदू गावंडे ,मंजू गोरे ,अशोक डेहरिया संध्या जैन,मोहित मिश्रा ,जितेंद्र ठाकुर ,अरविंद विश्वकर्मा ,राखी मजूमदार, मनोज कुमार शर्मा ,अमित दुग्गल, मयूर रामावत माया पांडे ,डॉ अनिल कोरी ,विनीता पैग्वार विधि, कमल बघेल, तुलसी राय ,डॉ आज्ञा मिश्रा, प्रवीण सूद, शामिल रहे,,संगीत संयोजको को प्रसंग संस्था द्वारा अभिनंदित किया गया,। संगीत संयोजन दिनेश खड़ेतिया का रहा ,आयोजन का कुशल संयोजन एवं संचालन मंजू गोरे द्वारा किया गया,विशेष सहयोग प्रसंग परिवार से डॉ मकबूल अली,डॉ रानू रूही,बसंत कुमार शर्मा,राजेश लखेरा का रहा,, इसके साथ ही महामहोपाध्याय डॉ हरी शंकर दुबे, मोहन मोहन शशि, सुशील श्रीवास्तव, सुभाष शलभ, मनोहर चौबे आकाश, गायत्री नीरज चौबे, रमाकांत गौतम, मुकेश गुप्ता, राजेंद्र गोरे ,आलोक पाठक, आदि की विशेष उपस्थिति रही आभार प्रदर्शन डॉक्टर रानू रूही द्वारा किया गया।

जबलपुर एमयू के पहले दीक्षांत की तैयारियां जोरों पर , जुलाई में आयोजन

जबलपुर, यशभारत। मप्र आयुर्विज्ञान यूनिवर्सिटी के इतिहास के पन्नों में जुलाई माह सुनहरे अक्षरों में अंकित होने वाला है। विवि स्थापना के बाद पहली बार दीक्षांत समारोह जुलाई माह में आयोजित होने जा रहा है। विवि ने दीक्षांत समारोह की सारी तैयारियां पूरी कर ली है। कार्यक्रम में महामहिम, मुख्यमंत्री, चिकित्सा मंत्री सहित अन्य प्रतिनिधियों को आमंत्रण भेजा गया है। आयुर्विज्ञान विवि के कुलसचिव डॉक्टर प्रभात बुधौलिया ने बताया कि यूनिवर्सिटी की स्थापना साल 2011 में हुई थी उसके बाद से आज तक दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं हुआ था। यह पहली बार है कि यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह कार्यक्रम जुलाई में होने जा रहा है। दीक्षांत से जुड़ी सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री से लेकर चिकित्सा शिक्षा से जुड़े तमाम जनप्रतिनिधयों को बुलाया गया है। उनका आना तय हो जाने के बाद ही दीक्षां की तारीख तय की जाएगी।

9 जुलाई तक निरस्त रहेंगी चार जोड़ी रेलगाड़ियां

जबलपुर यश भारत। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मण्डल द्वारा पश्चिम मध्य रेल से संबंधित चार जोड़ी रेलगाड़ियों को पूर्व में निरस्त किया था, अब ये रेलगाड़ियाँ 25 जून से लेकर आगामी 09 जुलाई तक की अवधि के लिए भी निरस्त रहेंगी । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मण्डल द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया कि निम्नलिखित चार जोड़ी रेलगाड़ियां, उनके सामने बताई गई तारीखों के अनुसार निरस्त रहेंगी -1. 25 जून से लेकर 09 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रतिदिन चलने वाली गाड़ी संख्या 18236/18235 भोपाल-बिलासपुर-भोपाल निरस्त रहेगी ।2. 08 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रतिदिन रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18247 बिलासपुर-रीवा तथा दिनांक 25 जून से लेकर 09 जुलाई तक प्रतिदिन रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18248 रीवा-बिलासपुर अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी ।

3. इसी तरह गाड़ी संख्या 11265 जबलपुर-अंबिकापुर दिनांक 24 जून से लेकर 08 जुलाई तक प्रतिदिन तथा गाड़ी संख्या 11266 अंबिकापुर-जबलपुर दिनांक 25 जून से लेकर 09 जुलाई तक प्रतिदिन अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी ।

4. इसके अलावा गाड़ी संख्या 22169 रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस दिनांक 29.06.2022 और 06.07.2022 को प्रत्येक बुधवार तथा गाड़ी संख्या 22170 संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस 30 जून और 07 जुलाई को प्रत्येक गुरूवार को 02-02 ट्रिप अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी ।

हुबली-बनारस-हुबली में बढ़े थर्ड एसी एवं शयनयान के स्थाई कोच

गर्मी के सीजन में बढ़ते अतिरिक्त यात्री यातायात तथा प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के उद्देश्य से अतिरिक्त कोच लगाए जाते हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 17323/17324 हुबली-बनारस-हुबली साप्ताहिक ट्रेन में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी और शयनयान श्रेणी के दो-दो कोच स्थाई रूप से बढ़ाए जा रहे हैं । यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गुजरती है। दो-दो कोच लगाए जाने से इस रेलगाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के कोचों की संख्या 2 से बढ़कर अब 4 और शयनयान श्रेणी के कोचों की संख्या 8 से बढ़कर अब 10 हो जाएगी । रेलवे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि गाड़ी संख्या 17323 हुबली से बनारस साप्ताहिक ट्रेन में 24 जून 2022 से प्रत्येक शुक्रवार को प्रारंभिक स्टेशन हुबली से और वापसी में गाड़ी संख्या 17324 बनारस से हुबली साप्ताहिक ट्रेन में 26 जून 2022 से प्रत्येक रविवार को प्रारंभिक स्टेशन बनारस से वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के दो कोच एवं शयनयान श्रेणी के दो कोच स्थाई रूप से बढ़ाए जा रहे है।

ट्रेन कंपोजिशन:- गाड़ी में दो-दो कोच बढ़ जाने से अब यह गा ?ी 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 10 शयनयान श्रेणी 05 सामान्य श्रेणी एवं 01 रसोई यान, 02 एसएलआरडी सहित कुल 23 कोच के साथ चलेगी।

जनशताब्दी ट्रेन में द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान का दो अतिरिक्त स्थाई कोच लगेगा

रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात तथा प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के उद्देश्य से अतिरिक्त कोच लगाए जाते हैं। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ /टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 12061/12062 रानी कमलापति-जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस मे द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान के दो अतिरिक्त स्थाई कोच लगाने का निर्णय लिया गया है।

सीएम राईस स्कूल के प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के स्थानांतरण आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर, यशभारत। सीएम राइस स्कूल में पदस्थ प्रिंसिपल अशोक कुमार झारिया प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछिया जिला मंडला के स्थानांतरण आदेश पर माननीय उच्च न्यायालय के जस्टिस श्री एसएस भट्टी ने स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है। इसी तरह उप प्राचार्य के पद पर श्रीमती निधि सिंह के जबलपुर से चरगवां में स्थानांतरण पर जस्टिस श्री विशाल धगट ने स्थानांतरण आदेश पर भी रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी ने माननीय न्यायालय के समक्ष आवेदक गणों का पक्ष रखते हुए बताया कि सीएमराइस स्कूल में स्थानांतरण/ पदस्थापना को लेकर भारी मात्रा में अनियमितता एवं घोर लापरवाही बरती जा रही है। जिसके चलते भारी मात्रा में स्थानांतरण पदस्थापना की गई है। जिसमें अशोक कुमार झारिया प्राचार्य शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछिया जिला मंडला में कार्यरत हैं। उनका चयन सीएम राइस स्कूल में हुआ था। योजना के नियम के अनुसार आवेदक की पदस्थापना उसी स्कूल में होना चाहिए थी,जहां वह कार्यरत है,

क्योंकि उसने च्वाइस फिलिंग में उसी स्कूल की च्वाईस फिलिंग की थी, परंतु अनावेदक गणों के द्वारा आवेदक की पदस्थापना / स्थानतरण उस स्कूल में ना करके उसका स्थानांतरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीजाडांडी जिला मंडला में कर दिया। जो कि उसकी पदस्थापना से 100 किलोमीटर दूर था। आवेदक ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की थी जिसमें माननीय न्यायालय ने आवेदक का स्थानांतरण आदेश पदस्थापना दिनांक 24 मई 2022 को आगामी आदेश तक उक्त स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी ! इसी तरह निधि सिंह जो कि उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर जबलपुर में कार्यरत रही है उनका स्थानांतरण /पदस्थापना उप प्राचार्य के पद पर चरगवॉ कर दिया गया है। माननीय न्यायालय ने उनके भी स्थानांतरण/ पदस्थापना पर आगामी आदेश तक रोक लगाते हुए अनआवेदक गणों को नोटिस जारी किया है। न्यायालय के समक्ष आवेदक गणों का पक्ष एडवोकेट सत्येंद्र ज्योतिषी के द्वारा रखा गया है।

याची को निजी बीमा कंपनियां कुल साढ़े 24 लाख रु. अदा करे

विधिक सेवा सहायता प्रकोष्ठ की लोक अदालत में अवार्ड पारित

जबलपुर यशभारत। विधिक सेवा सहायता प्रकोष्ठ द्वारा विगत दिनों आयोजित लोक अदालत में एक याचिकाकर्ता की अपील पर सुनवाई करते हुए दो बीमा कंपनियों आदित्य बिरला और एचडीएफसी जनरल इंश्योरेंस कंपनी को अलग अलग दावों के अनुसार कुल साढ़े24लाख रुपए देने का अवार्ड पारित किया। मामले के तहत शांति नगर निवासी विकास ताम्रकार पतंग उड़ाने के दौरान छत से नीचे गिर गया था।इलाज के दौरान डाक्टरों को उसका बायां पैर काटना पड़ा। विकास पूर्व में आदित्य बिरला इंश्योरेंस कंपनी और एचडीएफसी जनरल इंश्योरेंस कंपनी से अलग अलग पालसियां ले रखी थी।आवेदक द्वारा क्लेम किये जाने पर दोनों कंपनियों द्वारा अपने स्तर पर जांच करते हुए दावा इसलिए अस्वीकार कर दिया कि आवेदक पहले से बीमारी से ग्रस्त था।
इस मामले को आवेदक ने विधिक सेवा प्रकोष्ठ की लोक अदालत में लगाया।प्रकोष्ठ के लोक अदालत केअध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल के साथ सदस्य डा.रत्नेश कुरारिया और लोक निर्माण विभाग के ई ई गोपाल गुप्ता की पीठ ने सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद एचडीएफसी को दो दावों मे कुल10.74लाख रुपये और आदित्य बिरला इंश्योरेंस कंपनी को13.75लाख रुपए देने के निर्देश दिये।
जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जिलानी ने बताया कि विधिक सेवा अधिनियम1987के तहत याचिकाकर्ताओं को नि:शुल्क सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लोक अदालतों का आयोजन कर गरीब साधनहीनों को सहायता दिलाई जाती है।सबसे मुख्य बात यह है कि इसमें आवेदक को वकील की आवश्यकता नहीं होती है।वह स्वयं अपनी पैरवी कर सकता है साथ ही कोई कोट फीस भी नहीं लगती है।साथ ही इसके फैसले को निचली अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है।सिर्फ उच्च न्यायालय या और ऊपर इसे दायर किया जा सकता है।

विधायक संजय पाठक की बुआ श्रीमती उमा मिश्रा का देहावसान

कटनी, यश भारत। पूर्व केबिनेट मंत्री पंडित सत्येंद्र पाठक की बड़ी बहन एवं विधायक संजय पाठक की मां स्वरूप बुआ जी श्रीमती उमा मिश्रा का शुक्रवार की रात जबलपुर में उपचार के दौरान आकस्मिक देहावसान हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पाठक परिवार सहित भट्ठा मोहल्ला एवं पाठक वार्ड क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में रिश्तेदार, स्नेहीजन, शुभचिंतक एवं मित्रगणों ने पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। जानकारी के अनुसार श्रीमती उमा मिश्रा पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। जबलपुर में उनका उपचार हो रहा था। लम्बी बीमारी से लड़ते हुए शुक्रवार की रात जबलपुर में उन्होंने अंतिम सांस ली। श्रीमती उमा मिश्रा बुआ जी पाठक परिवार की आधार स्तंभ की तरह थीं। हर परिस्थिति में वह पाठक परिवार के साथ खड़ी रहीं। स्नेह की प्रतिमूर्ति बुआ जी के आकस्मिक देहावसान से पाठक परिवार में शोक व्याप्त है। उनकी अंतिम यात्रा आज दोपहर ढाई बजे निज निवास पाठक वार्ड से निकाली गई। अंतिम संस्कार नदीपार मुक्तिधाम में अत्यंत ही शोकपूर्ण एवं गमगीन माहौल में किया गया, इसके उपरांत आयोजित शोकसभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण करते हुए परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति, पाठक एवं मिश्रा परिवार पर आए इस असीम दुख को सहन करने शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव :एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने संवेदनशील केन्द्रों का लिया जायजा

कहा- हमारा उद्देश्य शांतिपूर्ण मतदान संपन्न करना है

जबलपुर, यशभारत। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में आज शनिवार 25 जून को हो रहे मतदान के चलते एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा करते हुए सभी की हौसला अफजाई कर कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य मतदान एवं मतगणना को शांतिपूर्वक संपन्न कराना है। उल्लेखनीय है कि जबलपुर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2022 के प्रथम चरण में आज जनपद पंचायत बरगी, पनागर, सिहोरा एवं कुण्डम मे मतदान एवं मतगणना सम्पन्न होगी। प्रथम चरण के जनपद पंचायत चुनाव में कुल 780 मतदान केन्द्रों पर मतदान जारी है।

185 मतदान केन्द क्रिटिकल

निर्वाचन के चलते 185 मतदान केन्द क्रिटिकल तथा 595 मतदान केन्द्र सामान्य श्रेंणी के हैं। क्रिटिकल मतदान केन्द्र में 2 वर्दीधारी -1 प्र.आर./ 1 आरक्षक, 1 होमगार्ड एवं 1 विशेष पुलिस अधिकारी तथा सामान्य मतदान केन्द्र में 1 वर्दीधारी-01 प्र.आर/1 आरक्षक/ 1 होमगार्ड सैनिक एवं 1 विशेष पुलिस अधिकारी तैनात किया गया है। उक्त सभी मतदान केन्द्रों की लगातार पेट्रोलिंग हेतु राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की 23 मोबाईल के अतिरिक्त प्रथम चरण हेतु कुल 67 प्रेट्रोलिंग पार्टियां लगाई गई हैं जो 10 से 15 मिनट के अंतराल में मतदान केंद्रों पर पहुंच रही हैं। पेट्रोलिंग मोबाइलों में 1 उपनिरीक्षक/ सहायक उपनिरीक्षक, 2 प्रधान आरक्षक/ आरक्षक, 2 विशेष पुलिस अधिकारी लगाए गए हैं इसके अतिरिक्त प्रत्यके थाने में रिजर्व बल की पृथक व्यवस्था की गई

ऊपर वाले के दर से लेकर मतदाताओं के घर तक दस्तक

नगरीय निकाय चुनाव के 10 दिन शेष

जबलपुर,यशभारत। नगर निगम चुनाव के लिए 10 दिन शेष रह गए हैं जिसके चलते महापौर पद के प्रत्याशियों के अलावा निर्दलीय और बागी उम्मीदवारों का भी जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। सुबह से लेकर देर रात तक प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने में लग गए हैं। एक ओर जहां प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं से रू-ब-रू हो रहे हैं ,वहीं सामाजिक और धार्मिक संगठनों के बीच पहुंचकर उन्हें अपने पक्ष में करने की कोशिश में लगे हुए हैं। प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान आमतौर पर किसी ना किसी धर्म स्थल पर माथा टेकने के साथ ही शुरू हो रहा है। वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र के धार्मिक स्थलों में होने वाले पूजन-अर्चन और महाआरती में शिरकत करने में लगे हुए हैं। सभी की यही कोशिश है कि ऐन केन प्रकारेण मतदाताओं को अपने पक्ष में किया जाए। शहर 79 वार्डों मैं पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के अलावा 3 सैकड़ा से ज्यादा प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। महापौर पद के लिए भी 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। अब देखने वाली बात यह है कि इन उम्मीदवारों में कितनी सफलता किसी हासिल होती है। निर्दलीय प्रत्याशियों और बागी उम्मीदवारों को अपने पक्ष में करने के लिए भी वरिष्ठ जनों ने हर संभव प्रयास किए हैं जिसके चलते जहां कुछ प्रत्याशियों ने तो अपने नामांकन वापस ले लीजिए बावजूद इसके अभी भी बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं जो चुनाव मैदान में मौजूद रहकर चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने में लगे हैं अब जबकि मतदान के लिए सिर्फ 10 दिन का समय बाकी बचा है तो प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की सक्रियता बढ़ गई है सुबह होते ही प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के द्वारा ढोल धमाकों के साथ अपने-अपने इलाकों में जुलूस की शक्ल में जनसंपर्क किया जा रहा है वार्ड में बैनर पोस्टर भी नजर आने लगे है वही प्रत्याशी और उनके समर्थकों के द्वारा रेलिया निकालने का सिलसिला भी शुरू हो गया है आने वाले दिनों में इसकी और तेज होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आर्थिक तंगी ने ले ली ऑटो चालक की जान :नीम के पेड़ में फांसी लगाकर की खुदकुशी

जबलपुर, यशभारत। रांझी नई बस्ती में देर रात एक ऑटो चालक ने घर के पीछे स्थित नीम के पेड़ में गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। आसपास के लोगों ने देखा तो परिजनों को जानकारी दी। जैसे ही परिजनों ने अपने लाडले को फंदे पर लटका हुआ देखा तो चीख पड़े। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड से उताकर, मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार प्रदीप चौधरी पिता स्वर्गीय भीकम चौधरी उम्र 28 साल निवासी रांझी नई बस्ती प्रभात स्कूल के पास ने देर रात घर के पीछे पेड़ में फंदा बनाकर, खुदकुशी कर ली। युवक पेशे से ऑटो चालक था। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर, जांच में लिया है। बताया जाता है कि प्रदीप कुछ दिनों से आर्थिक तंगी का शिकार था। जिसके कारण उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस पड़ताल कर रही है, अब पूरी जांच और पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पस्ट हो सकेगी।

शादी करो नहीं तो जान से खत्म कर दूंगा

महिला के घर में घुसकर शोहदे ने पकड़ लिया हाथ, शोर मचाने पर भागा

जबलपुर, यशभारत। अधारताल के पुराना कंचनपुर में एक 43 वर्षीय महिला से विवाह करने दबाव बना रहे शोहदे ने सारी हदें पार कर, देर रात महिला के घर में घुस गया और बुरी नियत से हाथ पकड़ लिया। महिला के शोर मचाने पर शोहदा वहां से भाग गया। जिसके बाद रोत हुए थाने पहुंची महिला ने मामले की शिकायत की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर, शोहदे को तलाश करने में जुटी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 43 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि वह पुराना कंचनपुर भट्टा मोहल्ला की निवासी है और पास ही एक अस्पताल में कार्य करती है। जिसके चलते कुछ समय से फिरोज से उसकी जान पहचान हो गयी थी। जिसका फायदा उठाकर फिरोज उसके घर में घुस गया और विवाह करने का दबाव बनाने लगा। इस दौरान आरोपी ने अभद्रता भी की। लेकिन शोर मचाने पर फिरोज वहां से भाग गया। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

भाजपा महापौर प्रत्याशी के समर्थन में उतरे प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा

कैंट विधानसभा में जनसंपर्क कर जनता से मांगा समर्थन

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर घमासान शुरू हो गया है जैसे जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे वैसे चुनाव प्रचार में तेजी आ रही है,वही भाजपा महापौर प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र जामदार के समर्थन और जनसंपर्क में प्रदेश के दिग्गज नेताओं का जनसंपर्क शुरू हो चुका है। इसी क्रम में डॉ जितेंद्र जामदार के समर्थन और जनसंपर्क में शामिल होने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कैंट विधानसभा के गोकलपुर से रांझी के पांचों वार्डों में रैली के माध्यम से डॉ. जितेंद्र जामदार को महापौर बनाये जाने जनता से समर्थन की अपील की है। जहाँ जगह जगह पर भाजपा कार्यकताओं ने स्वागत मंच लगाकर स्वागत किया। जनसंपर्क में प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा,महापौर प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र जामदार, कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी व पांचों वार्डों के पार्षद प्रत्याशीयों ने जनसमर्थन मांगा, इस दौरान रैली में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकरता मौजूद रहे।

मजदूर ने ठेकेदार को घसीट-घसीट कर मारा

कम मजदूरी देने पर बढ़ा बवाल

जबलपुर, यशभारत। अधारताल के कमला भंडार में ठेकेदार काम की पेमेंट करने आया था। जिसके चलते मजदूर को जब पैसे कम मिले तो उसने ठेकेदार से और पैसों की मांग की। लेकिन यह बात ठेकेदार को नागवार गुजरी और वह वहां से जाने लगा। जिसके बाद मजदूर ने आंव देखा ना तांव और ठेकेदार से जमकर मारपीट कर, मौके से फरार हो गया। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि संजू केवट पिता केशरी केवट 35 साल ने बताया कि वह निर्भय नगर में रहता है और पेमेंट करने के लिए गोविंद चौधरी को कमला भंडार बुलाया था। जहां गोविंद ने उसके साथ जमकर मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

हिमांशु अवस्थी का निधन

सिहोरा। खितौला रोड पालीवाल कालोनी निवासी ठेकेदार हिमांशु अवस्थी बब्लू भैया का 63 साल की उम्र में निधन हो गया अंतिम संस्कार हिरन नदी घाट खितौला मुक्ति धाम में किया गया। वे आयुष्मान अवस्थी एवं अंशुमान अवस्थी के पिता थे।

यदि आप नौकरी पाना चाहते हैं

अपने कौशल के साथ दिये गये मोबाइल नंबर पर संपर्क करें
9009985689, 9131406684
योग्यता कम से कम 12 वीं पास उम्र 18 से 27 वर्ष

मेडिकल शॉप में बैठे युवक से जबरन वसूली करने घोंप दिया था चाकू

जबलपुर, यशभारत। थाना गोरखपुर में भाई के मेडिकल शॉप में बैठे युवक के साथ चाकूबाजी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस को ओमप्रकाश गुरनानी 41 वर्ष निवासी हाथीताल कालोनी गोरखपुर ने बताया कि भाई कैलाश गुरनानी की मेडिकल की दुकान हरिओम मेडिकोज में बैठा था तभी फ ते आनंद, मोहित खेमानी और कवल नयन का बेटा हरजोत सिंह दुकान पर आये और शराब के लिये 2 हजार रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करते हुये चाकू से हमलाकर गर्दन के पास हमला कर भाग गए। जिसके बाद गठित टीम द्वारा सरगर्मी से तलाश करते हुये आरोपी हरजोत सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी रतन कालोनी को अभिरक्षा में लेते हुये प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए केंद्रीय जेल जबलपुर में निरुद्ध कराया।

सिर और आंख से निकला खून, चार आरोपियों ने दिया वारदात को अंजाम

जबलपुर, यशभारत। पाटन के अग्रवाल धर्मशाला के सामने देर रात चार आरोपियों ने एक राय होकर, पुरानी रंजिश को लेकर पत्थर से हमला कर सिर और आंख में हमला कर, लहूलुहान कर दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार कृष्ण कुमार ठाकुर 21 वर्ष निवासी कटरा मोहल्ला ने पुलिस को बताया कि उसकी बुराई नंदा सेन एंव दुर्गी सेन से चल रही है। देर रात जब वह बस स्टेण्ड से अपने घर जा रहा था जैसे ही अग्रवाल धर्मशाला के सामने पहुंचा तभी दुर्गी उर्फ राजेश सेन, दुर्गेश सेन का भाई नंदा उर्फ मनोज सेन एवं इत्तू तथा शेख हुसैन चारों एक राय होकर गाली गलौज करने लगे।

माँ शक्ति
एकवा आरो सिस्टम
सभी प्रकार के आरो सैल्स एवं सर्विस के लिए सम्पर्क करें :
मो.- 9074629210
अब अपने RO की सर्विसिंग कराएं वो भी बिल्कुल फ्री
पता- शंकर नगर करमेता, जबलपुर

अब मुम्बई का मजा जबलपुर में
Sea WoRlD
A Fantastic Water World
SEA-WORLD WATER PARK & HOTEL
Contact us :- Gram Tewar, Bhedaghat Road jabalpur (M.P). 9977005949,9993093354, 8085453573

R.O. WATER बर्फ से निर्मित
आईस बर्फ गोला
नीबू सोडा, शिकंजी, मसाला छाछ, लस्सी, आईसक्रीम, कोल्ड काफी, मिल्क शेक
सांची कूल जोंन
एकता चौक विजय नगर,मो. 7974758785

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर
Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)
विद्यालय की विशेषताएं
- छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
- छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
- छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
- विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
- बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
- खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
- अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।
प्रवेश प्रारंभ 2022-23
प्रातःपाली 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम
दोपहर पाली 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम
संपर्क 9009505955,0761-4016415

संपादकीय

सत्ता की जंग में आहत लोकतंत्र

राजनीतिक पंडितों का एक वर्ग कयास लगा रहा है कि राज्य में महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार के गिनती के दिन रह गये हैं। दरअसल, इस घटनाक्रम में शिवसेना के बिखराव के बीज भी निहित हैं क्योंकि शिंदे का दावा है कि वे बाला साहब के कट्टर शिवसैनिक हैं। इससे कहीं न कहीं उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को ही चुनौती दी जा रही है। विधानसभा चुनाव के बाद से ही महाराष्ट्र में सत्ता हासिल करने का जो हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ था, लगता है अब राज्य उसकी चरम परिणति की ओर बढ़ रहा है। भाजपा व शिवसेना का मिलकर चुनाव लड़ना और चुनाव परिणाम के बाद राहें अलग होना बता गया था कि राज्य को शायद ही स्थिर सरकार मिल पायेगी। हुआ भी वही, शिवसेना का अपने धुर विरोधियों एनसीपी व कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनने में देरी करना और राष्ट्रपति शासन का लगना। उसके बाद एनसीपी के असंतुष्ट धड़े अजित पवार के साथ सरकार बनाने की असफल कोशिश, भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडनवीस का शपथ लेना व बहुमत न जुटा पाने पर इस्तीफा देना महाराष्ट्र की राजनीति के शुरुआती झटके थे। फिर ईडी, सीबीआई,आयकर विभाग व एनसीबी के अस्त्र प्रयोग हुए। महाविकास अघाड़ी सरकार के दो मंत्री फिलहाल जेल में हैं। भाजपा लगातार मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर हमलावर रही। कोरोना काल के कुप्रबंधन के सवाल उठे और पार्टी के हिंदुत्व लाइन से हटने को भी मुद्दा बनाया गया। शिवसैनिक विधायक भी इस बात से आशंकित रहे हैं कि पार्टी अपने आधारभूत मुद्दे हिंदुत्व से हटकर एनसीपी व कांग्रेस की लाइन पर चल रही है। मगर, महाराष्ट्र की राजनीति में हालिया जलजला शिव सेना के विधायक दल के नेता रहे व ठाकरे सरकार में मंत्री एकनाथ शिंदे के पार्टी के दर्जनों विधायकों के साथ महाराष्ट्र छोड़ने से आया है। पहले शिंदे के साथ विधायक भाजपा शासित गुजरात के सूरत पहुंचे और फिर असम में गुवाहटी। कयास लगाये गये कि अब शिवसेना,एनसीपी व कांग्रेस गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई है। आक्षेप है कि ढाई साल पहले हाथ आई सत्ता गंवाने से तिलमिलायी भाजपा सुनियोजित तरीके से राज्य सरकार को गिराने में लगी थी। हालांकि, फिलहाल भाजपा यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि यह सब शिवसेना के भीतर व्याप्त अंतर्विरोधों के चलते हुआ है। लेकिन पर्दे के पीछे की उसकी भूमिका को सभी महसूस कर रहे हैं। पिछले ढाई साल लगातार गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार, कोविड के दौरान अव्यवस्था व शिवसेना के पार्टी मुद्दे से भटकने आदि को लेकर भाजपा हमलावर रही है। पार्टी कहती रही है कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बाद शिवसेना इस वायदे से मुकर गई कि देवेंद्र फडनवीस को मुख्यमंत्री बनाना है। पार्टी शिवसेना पर धोखा देने का आरोप लगाती रही है। बहरहाल, अब भाजपा यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि मौजूदा घटनाक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं है और शिवसेना के भीतर जारी असंतोष से ये हालात बने हैं। लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि यदि भाजपा की कोई भूमिका नहीं है तो बागी विधायकों को भाजपा शासित राज्यों में ही कैसे शरण व सुरक्षा मिल रही है। हालांकि, कैडर आधारित पार्टी शिवसेना में इतने विधायकों का बागी होना चौंकाने वाला जरूर है। दरअसल, इस विद्रोह के संकेत पहले ही मिलने शुरू हो गये थे जब राज्यसभा चुनाव में पर्याप्त मत न होते हुए भी भाजपा के तीन प्रत्याशी राज्यसभा पहुंचे। ऐसे ही हाल के एमएलसी चुनाव में भाजपा के अधिक प्रत्याशियों के जीतने व पर्याप्त मत होते हुए भी कांग्रेस प्रत्याशी के हारने से संकेत साफ थे कि गठबंधन सरकार के भीतर सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है। कयास लगाये जा रहे हैं कि गठबंधन सरकार के खिलाफ भाजपा लंबे समय से सुनियोजित ढंग से काम कर रही थी। पार्टी उस किरकिरी से बचना चाह रही थी जो विधानसभा के चुनाव के बाद एनसीपी के बागियों की मदद से सरकार बनाने की कोशिश में हुई थी। प्रत्यक्ष तौर पर ऑप्रेशन लोटस नहीं चला मगर खामोशी से अभियान जारी रहा। अब देखना होगा कि क्या भाजपा सरकार बनाने के लिये जरूरी बहुमत जुटा पाती है।

तार्किकता की कसौटी पर खरा उतरे पाठ्यक्रम

सैंतालीस साल पहले 26 जून को स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक ऐसा अध्याय लिखा गया था, जिसने स्वतंत्रता और जनतंत्र की हमारी अवधारणा को सवालों के घेरे में ला दिया था। इन 47 सालों में देश में बहुत कुछ बदला है। आपातकाल के उन दिनों को लेकर आज भी कांग्रेस पार्टी को कोसा जाता है, और स्वयं कांग्रेस भी अपने कालखंड के उस अध्याय को एक दुस्वप्न की तरह देखती है। भले ही आपातकाल एक काला अध्याय हो पर उसे याद रखना ज़रूरी है, ताकि देश सावधान रहे कि फिर कभी कोई शासक वैसा कदम उठाने की कोशिश न करे। यही कारण है कि हमारे स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उस काल की याद दिलायी जाती है। ज़रूरी है हमारी नयी पीढ़ी हमारे हालिया इतिहास के उस अध्याय से शिक्षा लेने के लिए उसे जाने-समझे। पर गुजरात के विद्यार्थियों को शायद अब यह अवसर नहीं मिलेगा। 'छात्रों पर पड़ रहे बोझ को कम करने' और पाठ्यक्रम को 'तर्कसंगत' बनाने के नाम पर 'नेशनल काउंसिल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग' (एनसीईआरटी) ने बारहवीं कक्षा की राजनीति शास्त्र की किताब में से आपातकाल से संबंधित अध्याय को हटा दिया है। यही नहीं, सन ? 2002 में हुए गुजरात के सांप्रदायिक दंगों वाले अध्याय को भी हटा दिया गया है। शायद इसी बात को देखते हुए आपातकाल वाले अंग भी हटाये गये होंगे ताकि संतुलन बनाने की कोशिश का दावा किया जा सके।

इन दो अध्यायों के साथ ही विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम से और भी कई चीजें हटायी गयी हैं। उदाहरण के लिए 'जनतंत्र और विभिन्नता', 'लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन', 'जनतंत्र की चुनौतियां' जैसे विषयों वाली सामग्री को भी 'तर्कसंगत' बनाने के नाम पर पाठ्यक्रम से हटा दिया गया। यह समझना आसान नहीं है कि दसवीं कक्षा की इतिहास की किताब में से प्रसिद्ध शायर फैज अहमद फैज़ की कविता के अंश क्यों हटाये गये और 7वीं-8वीं की समाज विज्ञान की किताब में से दलित लेखक ओमप्रकाश वाल्मीकि के संदर्भों को हटाने के पीछे क्या तार्किकता है।

इस तरह के और बहुत से उदाहरण भी हैं जो 'एनसीईआरटी' की इस कार्रवाई के औचित्य पर सवाल उठाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण शीतयुद्ध और गुट-निरपेक्ष आंदोलन से संबंधित अध्याय को हटाने का है। ज्ञातव्य है कि नेहरू सरकार की नीतियों की आलोचना करने के बावजूद हमारी वर्तमान सरकार कुल मिला कर उसी विदेश-नीति को अपनाये हुए है जो कांग्रेस की सरकारों ने अपनायी थी। लगता है इस बात को छिपाने के लिए ही गुट-निरपेक्षता की बात से बचने की कोशिश की गयी है।

पाठ्यक्रम में परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस बात को भी समझा जा सकता है कि विभिन्न सरकारें अपनी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में पाठ्यक्रम में कुछ परिवर्तन कर सकती हैं। पर तथ्यों से खिलवाड़ की बात समझ में नहीं आती। सन ? 2002 में जब गुजरात में भीषण दंगे हुए थे तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात के तब के मुख्यमंत्री को 'राजधर्म निभाने' की सलाह दी थी। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है और निश्चित रूप से यह वाजपेयी जी की सोच को उजागर करने वाली बात है। ऐसी नेक सलाह किसी भी मुख्यमंत्री को बुरी नहीं लगनी चाहिए। यह सलाह सिर्फ किसी एक राजनेता के लिए नहीं थी, उन सबके लिए थी जिन्हें जनता ने राज करने के लिए चुना है। और राजधर्म निभाने वाली यह सलाह हर शासक को हमेशा याद रखनी चाहिए। हमारे विद्यार्थियों को भी पता होना चाहिए कि जनतंत्र में किसी शासक के किस तरह व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है। पता नहीं 'एनसीईआरटी' को यह बात विद्यार्थियों पर अनावश्यक बोझ क्यों लगी, और इसे पाठ्यक्रम से हटा कर उसे तार्किक कैसे बनाया गया।विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बोझ घटाना और पाठ्यक्रम को तार्किक बनाना, कतई गलत नहीं है। पर ऐसा कोई निर्णय लेने से पहले उन सबको विश्वास में लिया जाना ज़रूरी है जिन पर इस कार्रवाई का असर पड़ने वाला है। यहां सवाल विद्यार्थियों का ही नहीं है, अध्यापकों और शिक्षाविदों का भी है।

विद्यार्थियों को अपना 'गौरवशाली इतिहास' पढ़ाने की बात अक्सर की जाती है। यह भी कहा जाता है कि हमारे विद्यार्थियों को हमारी प्राचीन संस्कृति का भी समुचित ज्ञान होना चाहिए। इसके साथ-साथ इस बात की भी दुहाई दी जाती है कि पहले अंग्रेज़ों ने, और फिर हमारे इतिहासकारों ने, हमें सही इतिहास से वंचित रखा है। ऐसा कुछ है तो उसे ठीक किया ही जाना चाहिए। ठीक करने का यह मतलब नहीं है कि आधी-अधूरी सामग्री परोसी जाये। वर्ग विशेष को वेद न पढ़ने देने की बात अप्रिय होने के बावजूद एक हकीकत है। तो फिर आज के विद्यार्थियों को यह क्यों न बताया जाये कि प्राचीन भारत में ऐसी व्यवस्था थी, और उन्हें क्यों न समझाया जाये कि हर पुरानी बात सही हो यह ज़रूरी नहीं होता। यह एक हकीकत है कि प्राचीन भारत में 'तथाकथित अस्पृश्यों को निर्धारित काम करने के अलावा कुछ करने पर रोक थी', फिर यह तथ्य गुजरात में कक्षा छह की पुस्तक में से क्यों हटा दिया गया। प्राचीन भारत में ऐसी व्यवस्था बनाये जाने के कारण कुछ भी रहे हों, कालांतर में उस व्यवस्था के बदलने के हमारे समाज के प्रयासों को रेखांकित करने के लिए ज़रूरी है कि गलत प्राचीन व्यवस्था की जानकारी आज की या आने वाली पीढ़ी को होनी चाहिए।जैसे आज की पीढ़ी को यह जानना ज़रूरी है कि सन ? 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था और वह नितांत अनावश्यक और गलत था, वैसे ही इस पीढ़ी को यह जानने का भी हक है कि वर्ष 2002 में गुजरात में दंगों की आग में हमारे बहुधर्मी भारत की पूरी अवधारणा को राख कर देने की कोशिश हुई थी। इतिहास से आंख चुरा कर नहीं, इतिहास की आंख में आंख डालकर ही बीते कल की गलतियों को सुधारा जा सकता है।पिछले एक अर्से से देश में पाठ्यक्रम को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। कुछ अनुचित है तो वह निश्चित रूप से बदला जाना चाहिए; गलत है तो उसे हटाया जाना चाहिए। लेकिन, तार्किकता के नाम पर किसी अप्रिय सत्य को ढकना अपने आप को छलना है। यह प्रवृत्ति रुकनी चाहिए। आपातकाल हमारे समय का एक काला अध्याय है, उतना ही काला अध्याय सांप्रदायिकता की आग फैलने-फैलाने वाला है। ऐसी घटनाओं को भुला कर नहीं, उनसे कुछ सीख कर ही हम आने वाले कल को बेहतर बना सकता है।बहुत नाजुक विषय है स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ाये जाने वाली सामग्री का। यह सामग्री तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। इतिहास सही हो, यह ज़रूरी है, पर उतना ही ज़रूरी यह भी है कि शासकों की विचारधारा इस इतिहास को प्रभावित न करे। 21वीं सदी तार्किकता की सदी है, यह बात ध्यान में रखनी होगी। तार्किकता की सीढ़ी पर चढ़ कर ही किसी बात की विवेकसंगतता को समझा जा सकता है।

विश्वनाथ सचदेव

भूकंप से दहला अफगानिस्तान

अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप से 1000 से भी ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए हैं। मृतकों की तादाद और भी अधिक हो सकती हैं। डेढ़ हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। यूएस भू-गर्भीय सर्वेक्षण संस्था के मुताबिक भूकंप का केंद्र दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त शहर से 44 किमी दूर और 51 किमी जमीं के नीचे था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई है। भूकंप का असर 500 किमी दूर भारत और पाकिस्तान में भी महसूस किया गया। यहां गांव के गांव जमींदोज हो गए हैं। इस भूकंप का क्षेत्र पाकिस्तान के दायरे में भी आता है। 2005 में आए भयंकर भूकंप में यहां 74,000 लोगों की मौत हो गई थी। अर्से तक अफगानिस्तान आतंकवाद से ग्रस्त देश रहा है। इसलिए यहां भूकंप की पूर्व जानकारी हासिल करने के वैज्ञानिक केंद्र ठप पड़े हैं। करीब एक साल पहले बनी तालिबानी सरकार भी ऐसे कोई उपाय करने में असमर्थ रही है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व में ही जानकारी मिल जाए और जान व माल को बचाने के व्यापक प्रबंध किए जा सकें। तालिबान सरकार ने जिस तरह से आधुनिक शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए हुए हैं, उससे लगता भी नहीं है कि भविश्य में भी यहां कोई वैज्ञानिक दृष्टिकोण पनपेगा। स्त्री-शिक्षा पर तो यहां लगभग पूर्ण प्रतिबंध है। हालांकि भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भू-गर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले देशों अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं। इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों नाकाम हैं ? जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका ने तो अंतरिक्ष में ऐसा उपग्रह भी तैनात कर दिया है, जो संभावित भूकंप आने की चेतावनी देने के लिए ही क्रियाशील है। दरअसल दुनिया के नामचीन विषेशज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। अमेरिका में 1973 से 2008 के बीच प्रति वर्ष औसतन 21 भूकंप आए, वहीं 2009 से 2013 के बीच यह संख्या बढ़कर 99 प्रति वर्ष हो गई। यही नहीं आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मोन्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागाशाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। जापान और फिर क्योटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चला है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर खड़े हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है। बावजूद हैरानी इस बात पर है कि विज्ञान की आश्चर्यजनक तरक्की के बाद भी वैज्ञानिक आज तक ऐसी तकनीक ईजाद करने में असफल रहे हैं, जिससे भूकंप की जानकारी आने से पहले मिल जाए। भूकंप के लिए जरूरी ऊर्जा के एकत्रित होने की प्रक्रिया को धरती की विभिन्न परतों के आपस में टकराने के सिद्धांत से आसानी से समझा जा सकता है। ऐसी वैज्ञानिक मान्यता है कि करीब साढ़े पांच करोड़ साल पहले भारत और आस्ट्रेलिया को जोड़े रखने वाली भूगर्भीय परतें एक-दूसरे से अलग हो गईं और वे यूरेशिया परत से जा टकराईं। इस टक्कर के फलस्वरूप हिमालय पर्वतमाला अस्तित्व में आई और धरती की विभिन्न परतों के बीच वर्तमान में मौजूद दरारें बनीं। हिमालय पर्वत उस स्थल पर अब तक अटल खड़ा है, जहां पृथ्वी की दो अलग-अलग परतें परस्पर टकराकर एक-दूसरे के भीतर घुस गई थीं। परतों के टकराव की इस प्रक्रिया की वजह से हिमालय और उसके प्रायद्वीपीय क्षेत्र में भूकंप आते रहते हैं। इसी प्रायद्वीप में ज्यादातर एशियाई देश बसे हुए हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक क्रियाओं के कारण भी भूकंप आते हैं। भूकंपों की उत्पत्ति धरती की सतह से 30 से 100 किमी भीतर होती है। इससे यह वैज्ञानिक धारणा भी बदल रही है कि भूकंप की विनाशकारी तरंगें जमीन से कम से कम 30 किमी नीचे से चलती हैं। ये तरंगे जितनी कम गहराई से उठेगी, उतनी तबाही भी ज्यादा होगी और भूकंप का प्रभाव भी कहीं अधिक बड़े क्षेत्र में दिखाई देगा। लगता है अब कम गहराई के भूकंपों का दौर चल पड़ा है। मैक्सिको में सितंबर 2017 में आया भूकंप धरती की सतह से महज 40 किमी नीचे से उठा था। इसलिए इसने भयंकर तबाही का तांडव रचा था। दरअसल सतह के नीचे धरती की परत ठंडी होने व कम दबाव के कारण कमजोर पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब चट्टानें दरकती हैं तो भूकंप आता है। कुछ भूकंप धरती की सतह से 100 से 650 किमी के नीचे से भी आते हैं, लेकिन तीव्रता धरती की सतह पर आते-आते कम हो जाती है, इसलिए ब? रूप में त्रासदी नहीं झेलनी पड़ती। दरअसल इतनी गहराई में धरती इतनी गर्म होती है कि एक तरह से वह द्रव रूप में बदल जाती है। इसलिए इसके झटकों का असर धरती पर कम ही दिखाई देता है। बावजूद इन भूकंपों से ऊर्जा बड़ी मात्रा में निकलती है। धरती की इतनी गहराई से प्रगट हुआ सबसे बड़ा भूकंप 1994 में बोलिविया में रिकॉर्ड किया गया है।

-प्रमोद भार्गव

आपका राशिफल 26 जून

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो या यी यू
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर — भो जा जी खी खू खे खो गा गी
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5851

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथी की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटाकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लगा साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फराह की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल कहता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२. अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'काबुल का ये घर कहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहंशाह, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5850

Jagrutidaur.com, Bangalore

बालों में बारिश से फंगल-इन्फेक्शन तो न करें ये गलती

बारिश के मौसम में भीगने के कारण क्या आपके स्कैल्प पर दाने हो जाते हैं? खुजली, इरिटेशन, जलन से क्या आप भी परेशान रहते हैं? डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अनुराग आर्या बता रहे हैं कि बरसात में भीगने पर बाल लंबे समय तक गीले रहने पर कई लोगों को स्कैल्प पर दाने हो जाते हैं। कई बार हेयर ऑयल या अधिक सीबम बनने के दाने कारण होते हैं। ये शरीर में मौजूद खास ग्लैंड सिबेशस में बनता है। सीबम एक वैक्स और ऑयली पदार्थ है, जो स्कैल्प को रूखे होने से बचाता है। हालांकि अधिक सीबम से स्कैल्प ऑयली होने लगता है, जिसके कारण पोर्स बंद हो जाते हैं और एक्ने की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश में भीगने से फंगल इंफेक्शन हो जाता है।

स्टेरॉयड या एंड्रोजेनिक प्रोडक्ट हो सकता है कारण ये दाने ज्यादा तेल मालिश, टेस्टोस्टेरोन हार्मोन में बढ़ोतरी और स्टेरॉयड या एंड्रोजेनिक सप्लीमेंट्स, जैसे व्हे प्रोटीन लेने से भी होते हैं। स्कैल्प पर दाने या फुंसी होने के कारण सूजन, दर्द और खुजली भी हो सकती है।बरसात के पानी में भीगने से कई लोगों को स्कैल्प पर फंगल इंफेक्शन या दानें हो जाते हैं।बरसात के पानी में भीगने से कई लोगों को स्कैल्प पर फंगल इंफेक्शन या दानें हो जाते हैं।

हेयर स्टाइलिंग करवाना पड़ सकता है भारी डेड स्किन होने के कारण भी स्कैल्प पर खुजली और जलन होने लगती है। कई रिसर्च में भी बताया गया है कि जो लोग बालों को साफ नहीं रखते, जिन्हें पसीना ज्यादा आता है या जो हेयर स्टाइलिंग के लिए वैक्स और जेल लगाते हैं, उन्हें भी रिएक्शन होने से स्कैल्प पर फुंसी हो जाती हैं। स्किन पोर्स बंद होने से भी स्कैल्प पर रैशेज, दर्द और सूजन हो सकती है। तनाव, चिंता, नींद कम आना या फिर गलत लाइफस्टाइल के कारण भी ये समस्याएं बढ़ती जाती हैं। बिना किसी इलाज के भी ये दाने ठीक हो जाते हैं, हालांकि इसके कारण बाल झड़ने लगते हैं। कई बार सिर के बीच से थोड़े बाल जाने लगते हैं।हेयरस्टाइलिंग के दौरान हार्मफुल कैमिकल वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे बाल झड़ सकते हैं।हेयरस्टाइलिंग के दौरान हार्मफुल कैमिकल वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे बाल झड़ सकते हैं।

लाइफस्टाइल में करें बदलावस्कैल्प पर एक्ने होते हैं तो हेल्दी डाइट लें। धूम्रपान न करें। अगर स्टेरॉयड का सेवन कर रहे हैं तो उसे लेना बंद कर दें। पैराबेन फ्री (हानिकारक केमिकल) प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर के इस्तेमाल से बचें। टाइट पोनी बांधने से ये एक्ने कम हो सकते हैं। अगर समस्या बढ़ती जा रही है तो किसी भी तरह के हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से पहले डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह लें।

स्कैल्प के अनुसार चुनें शैम्पू स्कैल्प ऑयली है तो हर दो दिन में शैम्पू जरूर करें ताकि गंदगी या पसीने के कारण कम से कम इरिटेशन हो। अपने स्कैल्प और हेयर टाइप के अनुसार शैम्पू का चुनाव करें।

सूडोकु नवताल- 6367

* * * * * कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6366 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

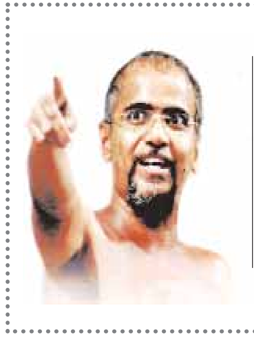

विचार प्रवाह

संतों से मेरा एक निवेदन है कि वे सिर्फ अमीरों के महाराज न बनें। गरीबों के भी बनें। अमीर लोग तो जहां जाएंगे वहीं सम्मान पा लेंगे। पर संत मुनियों का द्वार तो कम से कम ऐसा होना चाहिए जहां गरीबों को पूर्ण सम्मान मिल सके। याद रखना अमीरों के बलबूते बड़ा पंडाल तो बांधा जा सकता है पर उसे भरने के लिए आम जनता केबीच ही आना होगा। धर्म गरीबों न ही सम्हाल रखा है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7407

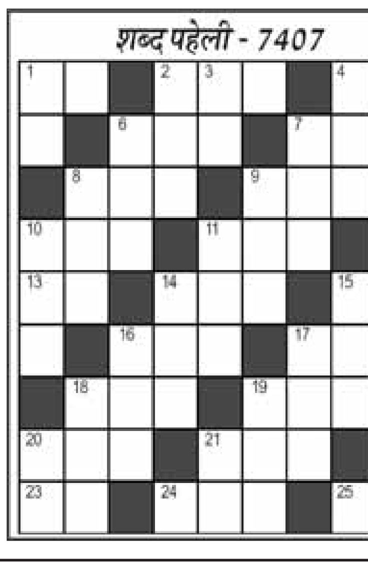

बाएँ से दाएँ

1. जी,इच्छा,चित-2
2. तन,बदन,देह-3
4. अग्रिदत्त-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा,सम्राट-3
10. वचन,प्रतिज्ञा-3
11. तरंग,हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सद्गुण-2
16. पाठ,शिक्षा-3
17. कर्ता,कार्य करने वाला-3
18. इज्जत,मान,सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन,प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन,लेखनी-3
25. ठाट-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय,वोट,अभिप्राय-2
2. लाज,लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया,जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध,नाजायज-3
7. निगाह,दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम,मदद-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. लगन,जिद,उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान,तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी,इच्छा,चित-2
21. समयगति-2
22. देह,बदन-2

शब्द पहेली -7406 का हल

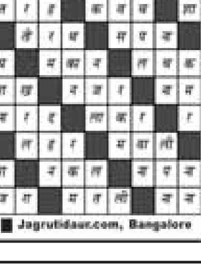

Jagrutidaur.com, Bangalore

सीएम राइज स्कूलों में खत्म होगी संकुल व्यवस्था

भोपाल (यश भारत)। प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था में सुधार के लिए संकुल व्यवस्था खत्म होगी। संकुल केंद्र हटाए जाने से अन्य स्कूलों की जिम्मेदारी खत्म हो जाएगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने आदेश जारी किया है कि सीएम राइज स्कूलों में संकुल व्यवस्था खत्म किया जाए। इन संकुल केंद्रों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों को आस-पास के संकुल केंद्रों में मर्ज किया जाए। डीपीआइ ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि सीएम राइज स्कूलों में बने संकुल केंद्रों के तहत आने वाले स्कूलों की सूची तैयार की जाए, ताकि उन्हें मर्ज किया जा सके। प्रदेश के 275 स्कूलों को सीएम राइज स्कूल चयनित किए गए हैं। इसमें राजधानी के आठ स्कूल शामिल है। इन स्कूलों से संकुल केंद्र हटाकर दूसरे सामान्य स्कूलों को बनाया जाएगा। इससे सामान्य संकुल केंद्रों पर दोगुने स्कूलों की जिम्मेदारी हो जाएगी। सीएम राइज स्कूलों के अंतर्गत आने वाले संकुल प्राचार्यों का कहना है कि इस व्यवस्था से कई कार्यों से मुक्त होंगे। अब सिर्फ अपने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था को देखेंगे।

एक संकुल केंद्र के पास 30 स्कूलों की जिम्मेदारी

एक संकुल केंद्र के पास उसके आसपास के 20 सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूलों की जिम्मेदारी होती है। साथ ही करीब 10 निजी स्कूलों की जिम्मेदारी भी होती है। संकुल केंद्र के प्राचार्य अपने स्कूल के साथ-साथ 30 अन्य स्कूलों की जिम्मेदारी होती है।

संकुल प्राचार्य की जिम्मेदारी

संकुल केंद्रों के माध्यम से शासन की प्रत्येक योजनाओं को स्कूलों द्वारा लागू करवाना होता है। निजी स्कूलों के विद्यार्थियों की टीसी निकालना, सरकारी स्कूलों की छात्रवृत्ति से संबंधित कार्य, प्रवेश, परीक्षा, शिक्षकों की छुट्टी स्वीकृत करना इन सभी कार्यों के लिए संकुल प्राचार्य का अनुमोदन जरूरी है। वहीं शिक्षा का अधिकार अधिनियम(आरटीई) के तहत निजी स्कूलों का निरीक्षण करना, फीस प्रतिपूर्ति सहित कई प्रकार के कार्य होते हैं। निजी स्कूलों की मान्यता से लेकर नवीनीकरण की पूरी जिम्मेदारी संकुल केंद्रों के प्राचार्य पर होती है।

शिक्षण व्यवस्था में होगा सुधार

सामान्य संकुल केंद्रों के पास दोगुने स्कूल बढ़ जाएंगे

वर्तमान में सीएम राइज स्कूलों के संकुल केंद्रों के तहत आने वाले करीब 30 स्कूल पास के संकुल केंद्रों पर मर्ज हो जाएंगे। इससे सामान्य संकुल केंद्रों में स्कूलों की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। इससे एक संकुल केंद्र के पास 40 से 50 स्कूल बढ़ जाएंगे। **संकुल केंद्रों के पास करीब 30 स्कूलों की जिम्मेदारी होती है। इस कारण सीएम राइज स्कूलों से संकुल व्यवस्था को खत्म किया जा रहा है। इससे शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार आएगा। – डीएस कुशवाहा, अपर संचालक, डीपीआइ**

अध्यादेश का प्रारूप विधि विभाग को भेजा

नगर पालिका और परिषद के अध्यक्ष की आयु 21 वर्ष करने के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने प्रारूप का किया अनुमोदन, अगले सप्ताह जारी होगी सूचना।

भोपाल (यश भारत)। नगर पालिका और नगर परिषद का अध्यक्ष 21 वर्ष की आयु का पार्षद भी बन सकेगा। इसके लिए सरकार द्वारा लाए जा रहे नगर पालिक विधि संशोधन अध्यादेश के प्रारूप को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के अनुमोदन के बाद शुक्रवार को विधि एवं विधायी विभाग भेज दिया। विभाग विधिक पक्षों का अध्ययन करने के बाद इसे लौटाएगा, जिसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के माध्यम से राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अनुमति के लिए भेजा जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अगले सप्ताह अध्यादेश की अधिसूचना जारी हो जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग 16 नगर निगम, 76 नगर पालिका और 255 नगर परिषदों के चुनाव दो चरण में कराया जा रहा है। निर्वाचन की प्रक्रिया 18 जुलाई को पूरी हो जाएगी। इसके बाद वर्तमान व्यवस्था के अनुसार पार्षदों में से नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। इसके लिए अभी पात्रता आयु 25 वर्ष या उससे अधिक निर्धारित है, जबकि पार्षद पद के लिए पात्रता आयु 21 या उससे अधिक तय है। कांग्रेस सरकार ने 2019 में नगर पालिका विधि में संशोधन करके अध्यक्ष का चुनाव जनता की जगह पार्षदों के माध्यम से कराए जाने की व्यवस्था लागू कर दी थी लेकिन अध्यक्ष की पात्रता आयु में संशोधन नहीं हो पाया। तब से ही यह प्रविधान प्रभावी है। अब सरकार ने तय किया है कि जो पात्रता आयु पार्षद के लिए निर्धारित है, वही अध्यक्ष के लिए भी रहेगी। इसके लिए अधिनियम में संशोधन किया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि विधानसभा का मानूसन सत्र 25 जुलाई है और 18 जुलाई को नगरीय निकायों के निर्वाचन की प्रक्रिया हो जाएगी, इसलिए अध्यादेश के माध्यम से अधिनियम में संशोधन किया जा रहा है। विभागीय मंत्री के अनुमोदन मिलने के बाद अध्यादेश के प्रारूप को विधि एवं विधायी विभाग विधिक पहलूओं का अध्ययन करने के लिए भेजा गया है। वहां से लौटने पर इसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनुमोदन से राज्यपाल को अनुमति के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि 28 जून को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में भी अध्यादेश का विचार के लिए रखा जा सकता है।

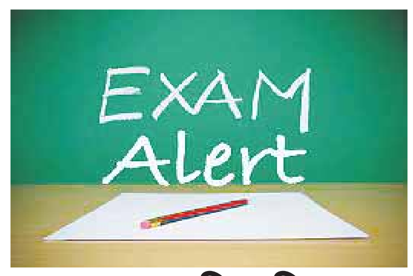

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने बढ़ाई बीएड-एमएड परीक्षा की तारीख

भोपाल (यश भारत)। राजधानी में स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) ने पंचायत और निकाय चुनाव के कारण जून के अंतिम सप्ताह से शुरू होने वाली बीएड व एमएड परीक्षाओं की तारीख बढ़ा दी है। बीयू के बीएड द्वितीय व एमएड चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जून से शुरू होने वाली थी, लेकिन अब ये जुलाई के दूसरे सप्ताह से शुरू होंगी। बीयू प्रबंधन के मुताबिक विद्यार्थियों की सहूलियत के लिए यह निर्णय लिया गया है। परीक्षाओं की तारीख आगे बढ़ाने का एक और कारण है। अग्निपथ योजना को लेकर बिहार में हो रहे प्रदर्शन के कारण ट्रेनें निरस्त की जा रही थी। इस कारण बिहार और उत्तरप्रदेश के विद्यार्थी बीयू में आवेदन देकर भी परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी। इसके अलावा चुनाव को लेकर कालेज के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने के कारण भी परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इस संबंध में विवि प्रबंधन और परीक्षा समिति शुक्रवार को बैठक कर निर्णय लिया कि तारीख आगे बढ़ाई जाए।

वैष्णव अस्पताल की मान्यता निरस्त

आयुष्मान योजना में किया था करोड़ों का फर्जीवाड़ा

भोपाल (यश भारत)। । शहर के वैष्णव अस्पताल की मान्यता सरकार ने निरस्त कर दी है। अस्पताल पर आयुष्मान योजना के जरिए सरकार के साथ फर्जीबाड़ा व धोखाधड़ी करने के आरोप थे, जो जांच में सही पाए गए हैं। जिसके बाद गुरुवार को भोपाल सीएमएचओ डा. प्रभाकर तिवारी ने कार्रवाई की है। यह अस्पताल आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत मरीजों का इलाज करने के लिए सूचीबद्ध था। इसके द्वारा उक्त योजना के तहत करीब 60 मरीजों के नाम पर करोड़ों रुपये का भुगतान पा लिया था। इनमें से कुछ मरीजों को इलाज नहीं दिया था तो कुछ को जबरन आइसीयू में भर्ती कर लिया था, जिसकी जरूरत ही नहीं थी। ऐसे मरीजों के नाम पर आयुष्मान योजना में इलाज करने के जाली दस्तावेज तैयार किए थे और भुगतान के लिए उन्हें सरकार के सामने प्रस्तुत कर राशि ले ली थी। पहले ही इस मामले में पुलिस ने संचालक विवेक परिहार समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। न्यायालय पांचों को जेल भेज चुका था। यह अस्पताल खजूरीकलां क्षेत्र में था। इधर, उक्त योजना में फर्जीबाड़ा करने वाले 27 अस्पतालों की जांच भी पूरी कर ली है। इन्हें नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। इन्होंने भी उक्त योजना में फर्जीबाड़ा कर सरकार से करोड़ों रुपये का भुगतान प्राप्त किया है। इनकी जांच बीते हफ्ते आयुष्मान सोसायटी ने स्टेट हेल्थ ऐजेंसी के साथ मिलकर की थी।

कब क्या हुआ

23 मई – वैष्णव अस्पताल में जांच दल पहुंचा था। उसने पाया था कि अस्पताल द्वारा योजना के तहत उन सेवाओं के नाम पर भी बिल लगाए गए, जो सेवा उसके द्वारा मरीजों को दी ही नहीं गई थी। भर्ती व डिस्चार्ज 31 मई – संचालक विवेक परिहार के खिलाफ भोपाल क्राइम ब्रांच में एफआइआर दर्ज कराई थी।

कलेक्टर ने दिए थे जांच के आदेश

उक्त अस्पताल के खिलाफ मिली शिकायतों के आधार पर भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया ने सीएमएचओ डा. प्रभाकर तिवारी को जांच के आदेश दिए थे। इस आधार पर जांच कराई गई थी।

ऐसा भी किया था

वैष्णव अस्पताल ने 60 से अधिक मरीजों का आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज करना दर्शाया था। जिसकी जरूरत नहीं थी। इस तरह इन मरीजों के नाम पर करीब पौने दो करोड़ रुपये का भुगतान सरकार से लिया था। आयुष्मान योजना के तहत गड़बड़ी की शिकायतें लगातार मिल रही थी। इस आधार पर 14 जून को एक साथ भोपाल शहर के 44 समेत प्रदेश भर के 84 अस्पतालों की जांच की गई थी। इसमें भोपाल शहर के 18 व प्रदेश भर के 27 अस्पतालों में उक्त योजना के तहत गड़बड़ी करने के साक्ष्य मिले हैं। जांच पूरी हो गई है। इन्हें नोटिस भेजे जाएंगे। जवाब मिलने के बाद उक्त योजना से अलग किया जाएगा, मान्यता भी जा सकती है।

वैष्णव अस्पताल की मान्यता निरस्त कर दी है। अब वह इलाज नहीं कर सकेगा। उक्त योजना के तहत जिन-जिन अस्पतालों द्वारा गड़बड़ी की गई, उनके खिलाफ भी ठोस कार्रवाई की जाएगी। – डा. प्रभाकर तिवारी, सीएमएचओ, भोपाल

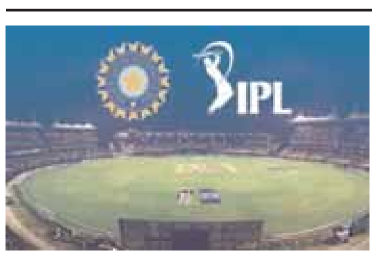

आइपीएल के शौक ने पहुंचाया जेल

बड़ी स्क्रीन पर मैच देखने चुराई थी एलसीडी

भोपाल (यश भारत)। बड़ी स्क्रीन पर आइपीएल के मैच का शौक एक युवक पर इस कदर तारी हुआ कि वह इस चक ?कर में एक एलसीडी चोरी कर घर ले आया। इसके बाद अपना रुतबा दिखाने के लिए पड़ोसियों को घर बुलाना शुरू कर दिया। पड़ोसियों को भनक लगी कि टीवी चोरी की है। उन्?होंने जलन के कारण जानकारी क्राइम ब्रांच से साझा की। पुलिस ने मैदा मिल के पास रहने वाले युवक को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर टीवी के साथ-साथ मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया। आरोपित को जेल भेज दिया गया है। एडीसीपी क्राइम शैलेंद्र चौहान ने बताया कि हबीबगंज में रहने वाले चूडामल यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया कि उसके घर से किसी ने दीवार पर लगी एलसीडी टीवी एवं मोबाइल फोन चोरी कर लिया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। इस बीच क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि मैदा मिल के पास अर्जुन नगर में रहने वाला 22 वर्षीय आफताब क्रिकेट मैच देखने का शौकीन है। अपना शौक पूरा करने के लिए वह कहीं से बड़ी स्क्रीन की टीवी लेकर आया है। आफताब मोहल्ले के लोगों को मैच देखने के लिए घर पर भी बुलाता है। साथ ही यह भी बताया कि आफताब की हैसियत इतना महंगा टीवी खरीदने की नहीं है। संभवत. एलसीडी चोरी का है। इस आधार पर क्राइम ब्रांच एवं हबीबगंज थाने की टीम ने आफताब को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने चूड़ामल यादव के घर से टीवी, मोबाइल चोरी करने की घटना स्वीकार कर ली। उसके पास से टीवी एवं मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। आफताब को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भितरघात करने वाले कांग्रेस प्रवक्ता ब्रजेश पांडे निष्कासित

भोपाल (यश भारत)। । विपक्षी पार्टी के साथ मिलकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे प्रदेश प्रवक्ता ब्रजेश पांडे को छह साल के लिए सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। पार्टी को लगातार पांडे के विरुद्ध अनुशासनहीनता की शिकायत प्राप्त हो रही थी। इस आधार पर यह कदम उठाया गया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि चाहे कोई भी हो, पार्टी विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पांडे विपक्षी पार्टी के साथ तालमेल बनाकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे थे। इस आधार पर उन्हें पार्टी की सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर इसकी सूचना जिला शहर कांग्रेस कमेटी रीवा को भी दे दी है। किनकी अनुशंसा पर भाजपा ने आपराधिक प्रवृत्ति पर व्यक्तियों को टिकट दिए पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और कांग्रेस के मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष अजय सिंह यादव ने भाजपा पर आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को नगरीय निकाय चुनाव में प्रत्याशी बनाने का आरोप लगाया।

पंचायत व निकाय चुनाव में राजधानी के 1200 शिक्षकों की लगी ड्यूटी

आरटीई सत्यापन प्रक्रिया व शिक्षण कार्य होगा प्रभावित

भोपाल (यश भारत)। । पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव में जिले के करीब 1200 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। जिन शिक्षकों की ड्यूटी पंचायत चुनाव में लगी हैं, उन्हें गुरुवार को स्कूलों से रिलीव कर दिया गया। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक अधिक शामिल हैं। इसी तरह नगरीय निकाय चुनाव के समय भी जुलाई के पहले सप्ताह में शिक्षक ड्यूटी पर रहेंगे। प्रदेश में स्कूल 17 जून से खुल चुके हैं और स्कूलों में आरटीई के तहत आए आवेदनों के साथ बेस लाइट टेस्ट भी चल रहे हैं जिसके चलते शिक्षण कार्य सहित आरटीई प्रक्रिया और टेस्ट प्रभावित होंगे।

स्कूलों में ये कार्य हो रहे हैं प्रभावित

वर्तमान में सरकारी स्कूलों में बने संकुल और जनशिक्षा केंद्रों पर शिक्षा का अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदकों का सत्यापन कार्य चल रहा है। यह सत्यापन कार्य 30 जून तक होंगे। अब ऐसे में शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगाए जाने के कारण सत्यापन कार्य पूरा नहीं हो पाएगा। शासकीय उमावि निशातपुरा में बने जनशिक्षा केंद्र में 10 शिक्षकों को आरटीई के सत्यापन कार्य में लगाया गया था, लेकिन पांच की ड्यूटी चुनाव में लगा दी गई। अब यह कार्य प्रभावित होगा। वहीं नवमी कक्षा के विद्यार्थियों का बेसलाइन टेस्ट कराया जा रहा है। यह कार्य भी प्रभावित होगा। इसके अलावा दक्षता उन्नायन का कार्य भी प्रभावित होगा। इसके अलावा सीएम राइज सहित अन्य सरकारी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इसपर भी असर पड़ेगा।

ड्यूटी निरस्त कराने लगा रहे चक्कर

जिले के सरकारी स्कूल में पदस्थ शिक्षक चुनाव ड्यूटी लगाए जाने के कारण हैरान-परेशान होकर जिला निर्वाचन कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हर रोज करीब 100 आवेदन चुनाव ड्यूटी निरस्त कराने को लेकर आ रहे हैं। उन्हें जिला निर्वाचन कार्यालय में आवेदन देने के लिए कह रहे हैं।

– नितिन सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

वार्ड 6 की भाजपा उम्मीदवार का जाति प्रमाण पत्र एक दिन में कैसे बन गया

कांग्रेस ने उठाई जांच की मांग

भोपाल (यश भारत)। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम मनोज उपाध्याय से मुलाकात कर वार्ड क्रमांक छह से भाजपा उम्मीदवार ज्योति यादव के जाति प्रमाण पत्र की जांच कराने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम से पूछा कि एक दिन में जाति प्रमाण कैसे बन गया। पूर्व विधायक जितेंद्र डागा एवं गांधीनगर ब्लाक अध्यक्ष आनंद सबधानी ने एसडीएम को ज्ञापन देकर जांच की मांग की। कांग्रेस नेताओं के अनुसार भाजपा उम्मीदवार ने जाति प्रमाण पत्र के लिए 18 जून को आवेदन किया गया। उसी दिन प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, जबकि आम जनता के आवेदन पर प्रशासन लंबे समय तक कार्रवाई नहीं करता। पूर्व विधायक डागा एवं सबधानी ने ज्ञापन में कहा है कि जाति प्रमाण पत्र नियमों को तोड़कर बनाया गया है। इसकी जांच की जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। कांग्रेस ने निर्वाचन अधिकारी को भी ज्ञापन दिया है।

कांग्रेस को बदलना पड़ा था उम्मीदवार

कांग्रेस नेताओं के अनुसार वार्ड छह से पहले कांग्रेस ने कला यादव को उम्मीदवार बनाया गया था। कला यादव भी पिछड़ा वर्ग से आती हैं लेकिन उनके पास जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं था। उन्होंने इसके लिए आवेदन भी किया लेकिन उन्होंने नामांकन जमा करने के समय तक जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल पाया। बाद में उनकी बेटी दीपा यादव को उम्मीदवार बनाया गया। कांग्रेस ने सवाल पूछा है कि जब सामान्य नागरिकों के आवेदन पर कई प्रकार की औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया फिर भाजपा उम्मीदवार का प्रमाण पत्र जल्दी कैसे बन गया। एसडीएम ने शिष्टमंडल को बताया कि सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही प्रमाण पत्र बनाया गया है। शिष्टमंडल में दीपा यादव भी शामिल थीं। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक छह में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। इस वार्ड से केवल दो ही उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा एवं कांग्रेस के कुछ अंसतुष्ट नेताओं ने नामांकन दाखिल किया था लेकिन बाद में पर्चा वापस ले लिया गया।

स्कूल खुलते ही मैजिक व आटो की मनमानी शुरू, बिठा रहे क्षमता से ज्यादा बच्चे

शहर में चल रहे 8,700 स्कूल मैजिक वाहन और वैन। 3500 चल रहे स्कूल आटो

गाइडलाइन का किया जा रहा उल्लंघन

भोपाल (यश भारत)। । एक बार फिर स्कूल खुलते ही मैजिक व आटो चालकों की मनमानी शुरू हो गई है। ये वाहन सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं। इनमें रोजाना क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा है। मैजिक व आटो चालक घरों से बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए बैठा कर जल्दी पहुंचने के फेर में तेज रफ्तार में चलाते हैं। इतना नहीं कई मैजिक व आटो चालक उम्रदराज भी हो चुके हैं। पुराने मैजिक व आटो में बच्चों को सफर करना पड़ रहा है। बच्चों को चौराहों पर छोड़ने व लेने का समय अभिभावकों के पास नहीं होने से मैजिक व आटो मासिक किराए पर तय करके बच्चों को स्कूल भेजते हैं। बसें कालोनियों में आ नहीं सकतीं। मैजिक व आटो घरों तक बच्चों को छोड़ देते हैं, इसलिए अधिकांश लोग मैजिक वाहन व आटो की सुविधा को अधिक पंसद करते हैं। ऐसे में शहर के अलग-अलग स्कूलों में 60 प्रतिशत बच्चे मैजिक व आटो से आना-जाना करते हैं। नियमों को ताक रखकर चल रहे मैजिक वाहन, आटो मालिकों व चालकों पर न ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करती है और न ही आरटीओ को उड़नदस्ता चेकिंग चला रहा है ताकि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करके स्कूल वाहनों का संचालन हो सके।

यह है सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

मैजिक वाहनों में स्कूल का नाम व नंबर लिखा होना चाहिए। स्कूल मैजिक वाहनों का रंग पीला होना चाहिए। स्पीड गवर्नर जरूर लगे होने चाहिए, जिससे वाहन तेज रफ्तार में न चलें। मैजिक वाहनों में अग्निशमन यंत्र लगे होने चाहिए। फस्ट् एड बाक्स में जरूरी दवाएं व पट्टी रखी हों। ड्राइवर खाकी वर्दी पहने हो। तय क्षमता से अधिक बच्चे नहीं बैठाए जाएं।

ऐसे नियमों की धज्जियां उड़ा रहे

आटो पर स्कूल के नाम व नंबर नहीं लिखे रहते। कालोनियों के स्कूल में चलने वाले मैजिक वाहनों पर पीला रंग नहीं होता। आटो में पांच की जगह सात से आठ बच्चे बैठाए जा रहे हैं। स्पीड गर्वनर सिर्फ नाम के लिए लगे हैं, 40 की जगह 60 किमी रफ्तार में वाहन चलाते हैं। कई मैजिक व आटो में सिर्फ नाम के लिए अग्निश्मन यंत्र लगे हैं। फस्ट एड बाक्स में दवाएं नहीं रहती हैं। मैजिक वाहनों में 10 से 12 की जगह छोटे 15 तक छोटे बच्चे बैठाए जाते हैं।

स्कूल मैजिक व आटो संचालन की जांच समय-समय पर करते हैं। नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित वाहन को जब्त करने व श्मन शुल्क लेने की कार्रवाई करते हैं। स्कूल खुल गए हैं। जल्द ही आरटीओ उड़नदस्ता चेकिंग अभियान चलाएगा। –संजय तिवारी, आरटीओ, भोपाल

प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज

नरसिंहपुर यभाप्र। *जिले में पंचायत आम चुनाव के लिए आज सुबह से ही मतदान बूथों पर मतदाताओं की भारी भीड़ उमड़ी। हर मतदाता में अपना अमूल्य मत देने उत्साह दिखा। जिसके चलते बूथों पर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। मतदान का समय प्रात: 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत आज ग्राम पंचायत के पंच सरपंच जनपद पंचायत के सदस्य और जिला पंचायत के सदस्यों के लिए मतदान के दौरान भाग्य का फैसला किया जायेगा। मतदान में 6 लाख 62 हजार 469 मतदाता भाग लेंगे, जिसमें महिला मतदाताओं की संख्या 3 लाख 17 हजार 773, पुरूष मतदाताओं की संख्या 3 लाख 44 हजार 681 व अन्य मतदाताओं की संख्या 15 है।*

जिले में 1205 मतदान केन्द्र

पंचायत चुनाव के तहत नरसिंहपुर जिले के 6 विकासखंडों में 1205 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। जिनमें विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत 222, करेली में 186, चांवरपाठा में 219, बाबई चीचली में 176, सांईखेड़ा 157 और गोटेगांव में 245 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

पंचायत निर्वाचन के लिए 4 रंग के होंगे मतपत्र

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतपत्रों के 4 रंग निर्धारित किये गये हैं। पंच पद के लिए सफेद, सरपंच के लिए नीला, जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र होगा।

गौरतलब है कि पंचायत निर्वाचन-2022 मतपत्र और मतपेटी द्वारा करवाया जाएगा। मतदान का समय प्रात: 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा।

100 वर्ष की वृद्ध महिला ने किया मतदान

आज ग्राम पंचायत डुंगारिया में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान 100 साल की वृद्ध महिला सुमताबाई ने अपने पुत्र के साथ मतदान केन्द्र पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं विकासखंड सांईखेड़ा प्राथमिक शाला भवन टेकापार बूथ क्रमांक 37 में पीठासीन अधिकारी एसपी त्यागी द्वारा दिव्यांग बुर्जुग महिला को व्हीलचेयर के माध्यम से मतदान करवाया गया।

कलेक्टर, एसपी ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत नरसिंहपुर के मतदान केंद्रों बहोरिपार, डांगीढाना, खुरपा एवं मगरधा में मतदान व्यवस्था का निरीक्षण कलेक्टर रोहित सिंह एवं एसपी विपुल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। वहीं बहोरीपारकला में कलेक्टर, एसपी द्वारा मतदाताओं से चर्चा की गई।

शांतिपूर्वक चल रहा मतदान

जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत कुल 219 मतदान केंद्रों के माध्यम से 1लाख 27हजार 158मतदाता अपने अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच कर दोपहर तीन बजे तक मतदान कर सकेंगे। पंच के लिए सफेद सरपंच के लिए नीला जनपद सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत के लिए गुलाबी मत पत्र निर्धारित किया गया है।

जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत कुल 219 मतदान केंद्रों के माध्यम से 1 लाख 27 हजार 158 मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच कर दोपहर तीन बजे तक मतदान कर सकेंगे। पंच के लिए सफेद सरपंच के लिए नीला जनपद सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत के लिए गुलाबी मत पत्र निर्धारित किया गया है। आज जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली 86 ग्राम पंचायतों में से 8 पंचायतें निर्विरोध निर्वाचित हो जाने के उपरांत 78 ग्राम पंचायतों में ही मतदान होगा वहीं जनपद पंचायत चांवरपाठा के लिए भी एक वार्ड निर्विरोध निर्वाचित हो जाने की स्थिति में 23 वार्डो का ही चुनाव संपन्न होना है। कुछ ऐसी ग्राम पंचायत भी शामिल है जिसमें आरक्षण के मान से एक परिवार होने की स्थिति में उनका सरपंच बनना भी तय माना जा रहा है, तो कुछ ऐसे भी प्रत्याशी मैदान में हैं जो पहले सरपंच थे अब पंच का चुनाव लड़कर किसी भी तरह पंचायत में पुन: अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाह रहे हैं। शांति पूर्वक निष्पक्ष मतदान को लेकर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है।

आबकारी विभाग ने पकड़ी शराब, बनाये 11 प्रकरण

नरसिंहपुर यभाप्र। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन- 2022 के अंतर्गत कलेक्टर रोहित सिंह के निर्देशों के परिपालन में जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन व विक्रय के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान गुरूवार को वृत्त नरसिंहपुर, गाडरवारा व गोटेगांव के गांवों में दबिश देकर अवैध मदिरा व महुआ लाहन जब्त किया गया।

अभियान में दबिश के दौरान नरसिंहपुर वृत्त के ग्राम कुम्हड़ली में 44 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 38 पाव देशी मदिरा मसाला, गाडरवारा वृत्त के ग्राम कमती में 26 पाव देशी प्लेन मदिरा, 17 पाव गोवा व्हिस्की एवं कुचबंदिया मोहल्ले में 870 किलोग्राम महुआ लाहन शराब बनाने का कच्चा मालद्ध व 5 लीटर हाथ भट्टी मदिरा और गोटेगांव वृत के ग्राम बरहटा, बौछार व श्रीनगर में 75 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 47 पाव गोवा व्हिस्की जब्त की गई। जब्त की गई मदिरा का अनुमानित मूल्य 61 हजार 743 रूपये है। अभियान के दौरान अवैध मदिरा से संबंधित 11 प्रकरण दर्ज किये गये। ये प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधानों के तहत दर्ज किये गये। अभियान जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती अम्रता जैन व सहायक जिला आबकारी अधिकारी डीसी चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।

डॉ सुमीत वर्मा जिला सह-संयोजक

जबलपुर, यभाप्र। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अभिजीत देशमुख के आदेशानुसार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष जी एस ठाकुर जी की सहमति से एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश सह-संयोजक डॉ अश्विनी कुमार त्रिवेदी की अनुशंसा से जबलपुर जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ में जिला सह-संयोजक के रूप में डॉ सुमीत वर्मा व अन्य सदस्यों को नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति पर जिला भाजपा के पदाधिकारियो व सदस्यों ने शुभकामनाएं दी है।

पावर लिफ्टिंग एवम बेंच प्रेस प्रतियोगिता 28 से

जबलपुर, यभाप्र। जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के निर्देशन में जिला स्तरीय क्लासिक पावर लिफ्टिंग एवम बेंच प्रेस प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) का आयोजन 28एवं 29जून 2022को श्री दत्त मंदिर, गोलबाजार में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी आगामी माह में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयनित किए जायेंगे।

वीरांगना रानी दुर्गावती महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल हैं-कुलपति प्रो. मिश्र

विवि में वीरांगना रानी दुर्गावती को अर्पित किए श्रद्धासुमन

जबलपुर, यशभारत। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर रादुविवि के काउन्सिल हाल में वीरांगना रानी दुर्गावती की जीवनी एवं शौर्य गाथा' पर आधारित परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती महिला सशक्तिकरण का रोल मॉडल हैं। प्रत्येक युवा को उनके जीवन दर्शन का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने प्रजा के हित में ही शासक का हित वाले भाव को चरितार्थ किया। वीरांगना रानी दुर्गावती पर आधारित अंतर विषय शोधों को प्रोत्साहन मिलना आज की आवश्यकता है।

परिचर्चा में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन स्थापक ने

सुशासन की प्रतीक थीं रानी दुर्गावती-

बताया कि वीरांगना रानी दुर्गावती सुशासन का प्रतीक थीं। उनके शासनकाल में सामाजिक समरसता, पारस्परिक सद्भाव और जनकल्याण की भावना से किए गए कार्य देखने मिलते हैं। कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग प्रो. सुभाष शर्मा ने वीरांगना रानी के कार्यक्षेत्र के विविध बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के उत्थान एवं रानी दुर्गावती से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामशंकर, प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र डॉ. राजेश्वरी राणा, प्रो. एस.एस. संधू, अमृत महोत्सव संयोजक डॉ. देवीलता रावत, प्रो. ए.के. गिल, प्रो. अतुल दुबे, डॉ. अश्विनी जयसवाल, सहायक कुलसचिव श्र अभयकांत मिश्रा, सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी तथा अज्जाक्स संघ अध्यक्ष अजय झारिया, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. राजुल अग्रवाल, श्रीमती संदीपा उपाध्याय, डॉ. शशिकला पाण्डेय, श्रीलाल बैगा सहित रादुविवि के शिक्षकगण, देवेन्द्र पुरुष छात्रावास के छात्र एवं कस्तूरबा महिला छात्रावास की छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

समाधि स्थल एवं विवि में वीरांगना रानी दुर्गावती को दी गई पुष्पांजलि- सर्वप्रथम वीरांगना रानी दुर्गावती के समाधि स्थल नरईनाला में प्रात: 8.00 बजे माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, डॉ. विशाल बन्ने एवं सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा ने पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय में भी प्रात: 9.30 बजे अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में वीरांगना रानी दुर्गावती को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

खिलाड़ियों ने दी वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि

जबलपुर,यशभारत। महाकौशल जिला परिषद द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष पर वर्ष भर विभिन्न महापुरुषों की जयंती एवं पुण्य तिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि नई पीढ़ी एवं खिलाड़ियों को हमारे महापुरुषों के त्याग एवं बलिदान का बोध हो सके इस श्रंखला में विजय स्केटिंग के खिलाड़ियों के द्वारा रानी दुर्गावती को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर भंवर ताल स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई । समूचा भंवरताल गार्डन रानी दुर्गावती अमर रहे के नारों से गुंजायमान हो गया इस अवसर पर महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संस्थापक डॉ प्रशांत मिश्र के द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती के त्याग एवं बलिदान के बारे में बच्चों को विस्तृत जानकारी दी गई। ट्राईबल स्टडीज में शोध प्रबंध करने वाली व्याख्याता निशा पाठक, कविता दुबे, आदर्श नेमा उपस्थित रहे

वीरांगना दुर्गावती के459 वें बलिदान दिवस पर स्मरण

जबलपुर,यशभारत।आदिवासी समाज में जन्मी गोंडवाना समाज की वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष डॉक्टर वाणी आहलूवालिया ने कहा कि रानी दुर्गावती के जीवन संघर्ष और आदिवासी- गोंडवाना समाज के विकास संरक्षण के लिए किए गए कार्य अविस्मरणीय हैं। महारानी के महिला सशक्तिकरण तथा समाज में शक्तिशाली महिला के रूप में उनका जीवन विशेष प्रेरणादायी रहा है । विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत के पूर्व कोषा अध्यक्ष आदरणीय आलोक सिंह ने कहा कि मुगल शासकों को अपने पराक्रम से पस्त करने वाले वीर योद्धाओं में रानी दुर्गावती का नाम गौरव गाथा में शामिल है। वे 24 जून, 1564 को वह युद्धभूमि में लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हो गईं। महारानी ने 16 वर्ष तक राज संभाला। इस दौरान उन्होंने अनेक मंदिर मठ कुएं बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। श्रद्धांजलि देने वालों में जितेन्द्र जामदार श्रीमती वाणी अहलूवालिया (प्रांत उपाध्यक्ष) राजेश रैकवार विशाल नामदेव संजय गुप्ता डॉक्टर मुकेश पांडे उमेश कोषाध्यक्ष दिलीप मांझी सुभाष तिवारी आशीष मिश्रा दीपक गुप्ता शैलेंद्र बिसेन पंडित प्रदीप डूबे अनिल द्विवेदी प्रदीप पटेल प्रशांत सिंधिया प्रवीण रैकवार आलोक गुप्ता प्रखंड से सभी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी।

छात्रों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

देश तरक्की तभी करेगा हर वोटर जब वोट करेगा

सिहोरा, यशभारत। एकीकृत शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार मे अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने प्रभारी प्राचार्य अरविन्द ज्योतिषी के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ छात्र,छात्राओं की रैली विद्यालय से प्रारंभ होकर बस स्टैंड खितौला,स्टेशन रोड व वार्ड में भ्रमण कर मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को नारों के माध्यम से जागरूक किया गया। छात्रों ने देश तरक्की तभी करेगा, हर वोटर जब वोट करेगा, सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो जैसे नारे लगाए गए। शत प्रतिशत मतदान करने के लिए पोलिंग बूथ पर आने के लिए लोगो से बढ़ चढ़ कर मतदान करने के जागरूक किया।इसके अलावा विद्यालय में मतदाता जागरूकता के लिए

स्लोगन व रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस अवसर पर एन के पटेल, जय प्रकाश तिवारी,श्रीमती नीता कुररिया,आरती नायक,प्रियंका कदम,प्रिया कुशवाहा, राजेश श्रीवास्तव,एहसानुल इस्लाम, रणजीत राठौर,सेवानिवृत्त शिक्षक आलोक सिंह बिजौरहा,योगेन्द्र मिश्रा,कांता बढगैया, शिवराम कोल उपस्थित रहे।

रश्मियों के सारथी नव गीत संग्रह पर पाठक मंच का विमर्श

सिहोरा, यशभारत। विजय बागरी विजय के नवगीत संग्रह पर पाठक मंच सिहोरा के द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार अश्वनी कुमार पाठक की अध्यक्षता एवं नंद कुमार परौहा के मुख्य आतिथ्य में पुस्तक विमर्श का आयोजन शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बागरी के द्वारा लिखित सरस्वती वंदना शारदे माँ गीत को गुंजार दे दो के साथ हुई जिसे श्रीमती सुषमा खरे ने सुंदर लय और स्वर में प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में उपस्थित ज्ञानेश् पांडेय,डॉ.आनंदी लाल कुर्मी,विजय पटेल, रमाकांत पाठक, सुषमा कर्चुली, मुकेश त्रिपाठी,अंजना खरे,अंजुलता चौबे,नारायण तिवारी, डॉ.अरुणा पांडे प्रियंका मिश्रा आदि ने रश्मियों के सारथी कृति के विषय में कहा कि इस पुस्तक की प्रत्येक रचना यथार्थ का चित्रण है । समाज में बिखरे प्रत्येक विषय को अपने नवगीतों में समेटा है। मुकेश त्रिपाठी ने गीतों में समाये प्रत्येक विषय की चर्चा की । श्री पाठक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उन्होंने अपने गीतों में पचेली, बघेली आदि के शब्दों को पर्याप्त स्थान दिया है। उन्होंने गाँव के शब्दों को मुहावरों को भी अपनी रचनाओं में शामिल किया है ।श्री बागरी के संग्रह में विभिन्न सामयिक समस्यायों को उजागर करती मानवीय संवेदनाओं से ओत प्रोत सभी रचनाएँ शहद सी मिठास भरी और कटार सी पैनी हैं । श्री बागरी ने नवगीत को स्पष्ट करते हुए उसमें बिम्बों और प्रतीकों का महत्व बतलाया साथ ही उन्होंने कहा कि जब समाज में उच्च मानव आचरण और मुल्यधर्मिता समाप्त हो रहा है तब इस संक्रमण काल में यह संग्रह पाठकों को मानवीय आदर्श की ओर प्रेरित करेगा ।

रेलवे ने राजभाषा के विस्तार हेतु लिए अनेक निर्णय

जबलपुर ,यशभारत । जबलपुर रेल मंडल में सभी कार्यालयों , रेल परिसरों में हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए सभी निर्देश , सकेतक पट्टी में हिंदी भाषा का उपयोग प्रमुखता से किया जायेगा तथा राजभाषा के प्रचार प्रसार के किये विशेष प्रयास भी किये जायेगे इस आशय का निर्णय मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिया गया मंडल रेल प्रबधक संजय विश्वास ने अपने उद्बोधन में कहा की रेलवे अधिकारी अपने निरीक्षण के दौरान राजभाषा चेक लिस्ट का भी निरीक्षण करें.उक्त बैठक में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी अमितोज बल्लभ , अपर मंडल रेल प्रबधक दीपक कुमार गुप्ता वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन , मुख्यालय के राजभाषा अधिकारी राजरंजन श्रीवास्तव ने राजबाषा के उनयन के लिए व्यापक चर्चा की . उक्त बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी एवं सीडीओ. जबलपुर स्वप्निल पाटिल ने किया। बैठक में सभी विभागों के शाखा अधिकारी शामिल हुए।

जेहान दारुवाला ने मैक्लारेन के साथ पास किया फॉर्मूला-1 टेस्ट

बन सकते हैं तीसरे भारतीय फॉर्मूला-1 ड्राइवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा भारतीय रेसर जेहान दारुवाला ने आठ बार की कंस्ट्रक्टर्स विजेता मैक्लारेन के साथ फॉर्मूला-1 टेस्ट पास कर लिया है। साथ ही उन्हें फॉर्मूला-1 रेसर का लाइसेंस हासिल करने की योग्यता मिल गई है। तीसरे फॉर्मूला-1 भारतीय ड्राइवर बनने की ओर अग्रसर 23 वर्षीय जेहान ने मंगलवार और बुधवार को वोकिंग आधारित रेस टीम की 2021 की विजेता चैलेंजर द एमसीएल35एम को सिल्वरस्टोन में चलाया। जेहान का पहला टेस्ट मशीनरी का था। उन्होंने दो दिन में संयुक्त रूप से 130 से अधिक चक्कर पूरे किए। दो बार से अधिक दूरी एफ-1 ड्राइवर ब्रिटिश ग्रां पी के दौरान सप्ताहांत पर कवर करेंगे।

मनु भाकर के नाम दूसरा स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने 20वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिला और जूनियर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल खिताब जीतकर दो स्वर्ण पदक हासिल किए। हरियाणा की 20 साल की निशानेबाज ने 263.9 अंक के स्कोर से आठ महिलाओं के सेमीफाइनल में अपनी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ा। हमवतन अर्शदीप कौर ने मनु को कड़ी चुनौती दी और स्वर्ण पदक के मुकाबले में भी यही हाल रहा लेकिन पूर्व नंबर एक निशानेबाज मनु ने करीबी फाइनल में कौर को 16-14 से शिकस्त दी। कौर 260.5 अंक के स्कोर से दूसरे स्थान पर रहीं जबकि हरियाणा की राधिका तंवर ने कांस्य पदक जीता। जूनियर महिला स्पर्धा में मनु ने 249 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की युविका तोमर को 16-12 से पराजित किया। युविका तोमर ने 252.7 अंक से दूसरा और हरियाणा की लक्षिता ने 246.7 अंक से तीसरा स्थान हासिल किया। शिखा नरवाल ने युवा वर्ग में जीत हासिल की जिसमें लक्षिता ने रजत पदक जीता। युविका ने अंजलि चौधरी और देवांशी धामा के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश के लिए टीम खिताब जीता। हरियाणा ने रजत जबकि महाराष्ट्र ने कांस्य पदक हासिल किया।

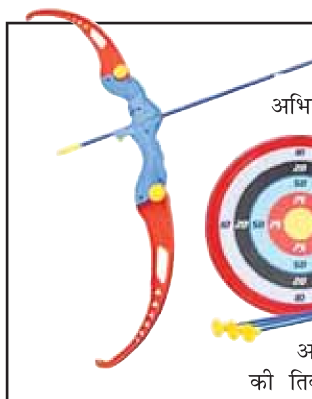

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज अभिषेक वर्मा और ज्योति सुरेखा वेन्नम की जोड़ी ने विश्व कप चरण तीन के फाइनल में पहुंचने के साथ ही शुक्रवार को यहां देश के लिए दूसरा पदक पक्का कर लिया। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और सिमरनजीत कौर की तिकड़ी ने बृहस्पतिवार को रिकर्व

तीरंदाजी विश्व कप में अभिषेक-ज्योति ने किया कमाल

देश के लिए दूसरा पदक किया पक्का

महिला टीम स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर पहला पदक पक्का किया था। वर्मा और ज्योति की कंपाउंड मिश्रित जोड़ी ने एस्टोनिया की रॉबिन जाटमा और लिसेल जाटमा को सेमीफाइनल के एकतरफा मुकाबले में 156-151 से हराया। अंतिम-16 में बाई हासिल करने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत प्यूर्तो रिको को आठ अंकों के शानदार अंतर (158-150) से पछाड़कर किया। भारतीय जोड़ी को अंतिम-आठ में अल सल्वाडोर के रॉबर्टो हर्नांडेज और सोफिया पेज से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। अंतिम स्कोर 155-155 (19-19) के बाद शूट-ऑफ में जीत दर्ज की। तरुणदीप राय और अंकिता भगत की भारतीय रिकर्व मिश्रित जोड़ी को हालांकि, निचली रैंकिंग की टीम कजाखस्तान से पहले दौर के मुकाबले में शूटऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

सात बार की चैंपियन सेरेना की पहली टक्कर 113वीं रैंकिंग की हार्मोनी से ओंस की पहली टक्कर कर्बर से

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी दिग्गज सेरेना विलियम्स विंबलडन टेनिस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत 113वीं रैंकिंग की 24 साल की हार्मोनी टैन के खिलाफ करेंगी। तीसरे दौर में उनकी टक्कर पिछले साल की फाइनलिस्ट कैरोलिना प्लिसकोवा से हो सकती है। ग्रासकोर्ट ग्रैंडस्लैम के शुक्रवार को ड्रॉ निकाले गए। सेरेना एक साल पहले पांव में चोट लगने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के एकल वर्ग में उतरेंगी। चालीस साल की खिलाड़ी के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें वरीयता दी जानी चाहिए थी लेकिन बारह महीने से भाग न लेने के कारण दुनिया की पूर्व नंबर एक सेरेना की महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) काफी गिर गई। ऐसे में पहले दौर में उनकी टक्कर निमभन रैंकिंग की खिलाड़ी से ही होने की संभावना थी। सेरेना के 23 ग्रैंडस्लैम में से सात खिताब विंबलडन के हैं। हार्मोनी टैन पहली बार इस ग्रासकोर्ट प्रतियोगिता में खेल रही हैं। दो हफ्ते पहले बर्लिन में चैंपियन बनीं तीसरी वरीयता की ओंस जैबुएर चौथे दौर में 2018 की चैंपियन एंजेलिक कर्बर से हो सकती है। दोनों खिलाड़ी निचले हाफ में हैं। सेरेना और स्वियातेक ऊपरी हाफ में हैं।

डकैत बन रणबीर ने जीता फैंस का दिल

सिनेमैटोग्राफी और वीएफएक्स की भी खूब हो रही तारीफ

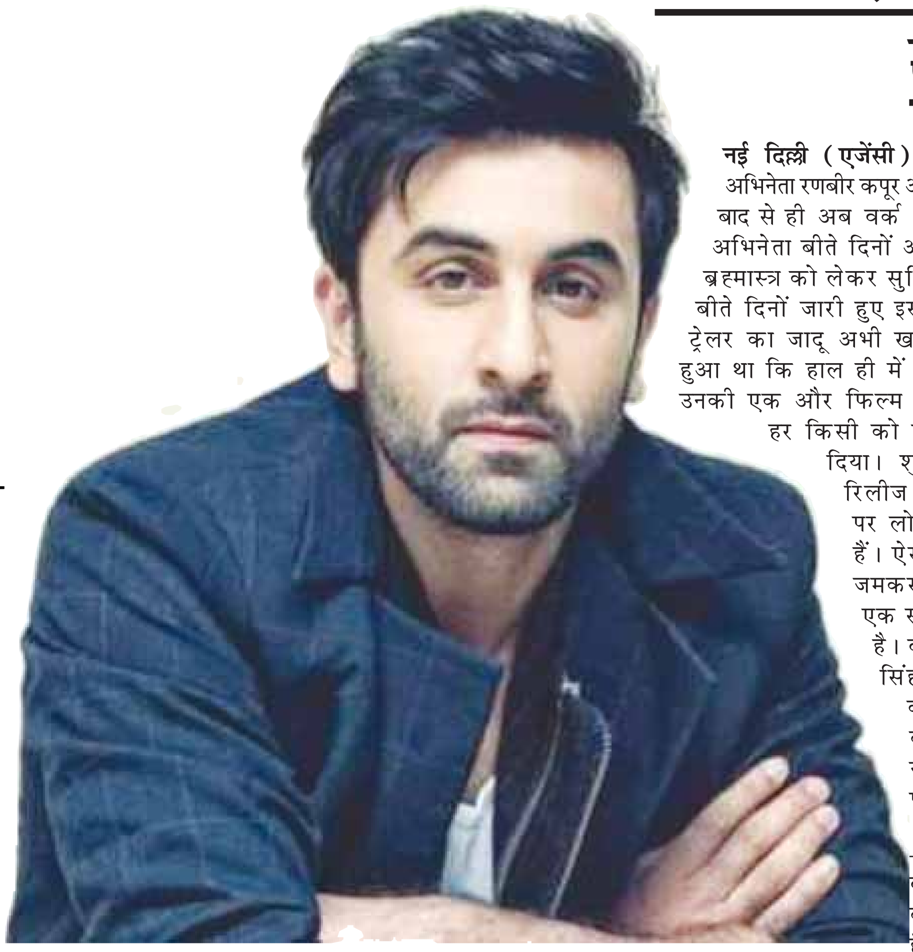

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर अपनी शादी के बाद से ही अब वर्क मोड में हैं। अभिनेता बीते दिनों अपनी फिल्म ब्रह्मास्त्र को लेकर सुर्खियों में थे। बीते दिनों जारी हुए इस फिल्म के ट्रेलर का जादू अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि हाल ही में सामने आए उनकी एक और फिल्म के ट्रेलर ने हर किसी को दीवाना बना दिया। शुक्रवार को रिलीज हुए फिल्म शमशेरा के ट्रेलर के देखने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग लगातार इस फिल्म और इसके कलाकारों की तारीफ कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म और इसके कलाकारों पर दर्शक सोशल मीडिया पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए एक सीन के वीडियो क्लिप को शेयर करते हुए लिखा, ये सीन जबरदस्त है। वहीं, एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, शमशेरा और शुद्ध सिंह का होगा आमना-सामना। एक अन्य ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए लिखा, लोगों का कहना था कि वह बड़ी भूमिकाएँ नहीं कर सकते, लेकिन अब वह इस शैली के मालिक हैं। एक और यूजर ने लिखा, प्रतिभाशाली, शानदार, अविश्वसनीय, अद्भुत, शोस्टॉपिंग, पूरी तरह अद्वितीय, पूरी तरह से पहले कभी नहीं किया गया।

शमशेरा फिल्म का एक सीन

वहीं, एक यूजर ने ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि ट्रेलर, सभी प्रशंसाओं का पात्र है। यह अपनी लुभावनी छायांकन, सुंदर पृष्ठभूमि और अविश्वसनीय वीएफएक्स के कारण सबसे चर्चित फिल्म होने के योग्य है। एक और नेटिजन ने लिखा, सिनेमैटोग्राफी इतनी शानदार लग रही है। शमशेरा का इंतजार है।

रजत पाटीदार शतक के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2021-22 का फाइनल मैच मुंबई और मध्यप्रदेश की टीम के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। आज मैच का चौथा दिन है और मध्यप्रदेश ने पहली पारी में बढ़त बना ली है। इस मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 374 रन बनाए। इसके जवाब में मध्यप्रदेश का स्कोर पांच विकेट पर 400 के पार जा चुका है। रजत पाटीदार अपने शतक के करीब पहुंच चुके हैं। उनके साथ पर्थ साहनी क्रीज पर मौजूद हैं। मध्य प्रदेश के विकेटकीपर बल्लेबाज हिमांशू मंत्री 31 रन और शुभम शर्मा 116 रन बनाकर आउट हुए। यश दुबे ने 133 रन की पारी खेली। कप्तान आदित्य सूर्यवंशी 25 और अक्षत रघुवंशी नौ रन बनाकर आउट हुए। मुंबई के लिए तुषार देशपांडे और मोहित अवस्थी ने दो-दो विकेट लिए। सम्स मुलानी को एक विकेट मिला।

मध्यप्रदेश का स्कोर पांच विकेट पर 400 के पार

सरफराज के शतक की बदौलत मुंबई का बड़ा स्कोर

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की टीम ने शानदार शुरुआत की। पृथ्वी शॉ और यशस्वी जायसवाल ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। शॉ 47 रन बनाकर आउट हुए। यहां से मध्यप्रदेश ने मैच में थोड़ी वापसी की और नियमित अंतराल पर मुंबई के विकेट चटकाए। यशस्वी जायसवाल (78 रन) और सरफराज खान (134 रन) ने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की और अपनी टीम को 374 रन के स्कोर तक पहुंचा दिया। मध्य प्रदेश के लिए गौरव यादव ने चार विकेट लिए। सारांस जैन को दो, अनुभव अग्रवाल को तीन और कुमार कार्तिकेय को एक विकेट मिला।

सरफराज खान का खास कीर्तिमान

इस मैच में सरफराज ने 243 गेंद पर 134 रनों की पारी खेली। उन्होंने 13 चौके और दो छक्के लगाए। सरफराज ने इस सीजन की आठ पारियों में 900 से ज्यादा रन बना लिए हैं। उन्होंने चार शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ 401 गेंद पर 275 रन की पारी खेली थी। मौजूदा सीजन में सरफराज सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 937 रन हैं। 1000 रन के आंकड़े को छूने के लिए सरफराज को दूसरी पारी में 63 रन बनाने होंगे। सरफराज रणजी इतिहास में तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो अलग-अलग सीजन में 900 से ज्यादा रन बनाए हैं। सबसे पहले दिल्ली के अजय शर्मा ने यह रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 1991-92 में 993 और 1996-97 में 1033 रन बनाए थे। उनके बाद वसीम जाफर का नंबर आता है। जाफर ने 2008-09 में मुंबई के लिए 1260 और 2018-19 में विदर्भ के लिए 1037 रन बनाए थे। सरफराज ने मुंबई के लिए 2019-20 में 928 और 2021-22 में 937 रन बनाए हैं।

बच्चों को किसी शो का हिस्सा बनाने के लिए करना होगा गाइडलाइंस का पालन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने शुक्रवार को मनोरंजन जगत में बच्चों के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं। इन गाइडलाइन के अनुसार फिल्मों, टीवी, रियलिटी शो, ओटीटी प्लेटफॉर्म, समाचार और सोशल मीडिया वेबसाइटों में उनकी भागीदारी सुनिश्तिच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर तीन साल तक जेल सहित दंडात्मक प्रावधान शामिल होंगे।

तीन महीने से कम उम्र के बच्चे नहीं करेंगे काम

गाइडलाइन के अनुसार तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को स्तनपान और टीकाकरण के प्रचार कार्यक्रमों के अलावा किसी भी शो में भागीदारी की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही बाल कलाकारों को ऐसे शो का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, जो उन्हें उपहास, शर्मिंदा या परेशान करता हो। किसी भी बच्चे का बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के तहत एग्रीमेंट नहीं बनाया जाएगा, जिसके आधार पर बच्चे को कोई काम करने की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही बच्चा एग्रीमेंट को खत्म करने या किसी अन्य एग्रीमेंट में प्रवेश करने में असमर्थ होता है।

माता-पिता की सहमति जरूरी

गाइडलाइन स्टेकहोल्डर की प्रतिक्रिया के लिए हृष्टक्क्षक्र की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिन्हें मनोरंजन उद्योग के

प्रमुख लोगों की समिति के परामर्श से तैयार किया गया था। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रोडक्शन में बच्चों के लिए वातावरण सुरक्षित हो। सभी प्रोडक्शन वालों को इन गाइडलाइन का पालन करना होगा, जिनमें सामान्य सिद्धांत, माता-पिता की सहमति, बच्चों के लिए स्टाफ प्रोटोकॉल और बाल संरक्षण नीति शामिल हैं।

फिटनेस प्रमाण पत्र देना होगा

नाबालिग विशेष रूप से छह साल से कम उम्र के बच्चों को हानिकारक कॉस्मेटिक और लाइटिंग के संपर्क में नहीं आने देना है। इसके साथ ही उनके साथ शूटिंग करने वाले लोगों को शूटिंग से पहले फिटनेस प्रमाण पत्र देना होगा कि उन्हें कोई संक्रामक रोग नहीं है। वहीं, इन कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन भी किया जाएगा। किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 77 के तहत बच्चों को शराब, धूम्रपान या किसी अन्य पदार्थ का सेवन करते हुए नहीं दिखाया जाएगा। वहीं, बच्चों को जिलाधिकारी के पास अपना नाम दर्ज कराना होगा।

हर तीन घंटे में देना होगा ब्रेक

बाल शोषण के शिकार लोगों पर आधारित कार्यक्रमों में कंटेंट को संवेदनशील तरीके से दिखाना होगा। निर्माता ही बच्चों के खाने-पीने की व्यवस्था के जिम्मेदार होंगे। साथ ही बच्चों के ड्रेसिंग रूम भी अलग होने चाहिए, वे किसी बड़े के साथ रूम शेयर नहीं करेंगे। निर्माता ही बच्चे की शिक्षा की व्यवस्था का उत्तरदायी होंगे और कोई भी असाइनमेंट 27 दिनों से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है। बच्चों को हर तीन घंटे में ब्रेक देना होगा और कोई भी बच्चा छह घंटे से ज्यादा या शाम 7 बजे से सुबह 8 बजे के बीच काम नहीं करेगा। किसी भी विज्ञापन में बच्चों का उपहास नहीं होना चाहिए या उन्हें हीन महसूस नहीं कराया जाना चाहिए।

साउथ के कंधों पर टिका बॉलीवुड का भविष्य!

एक्टर्स भी लीड और कैमियो में आयेंगे नजर

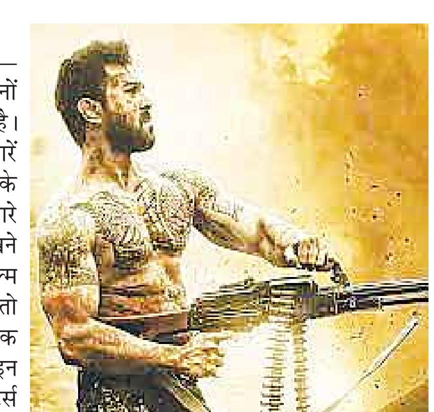

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ हो या बॉलीवुड इन दिनों फिल्मों में कैमियो रोल का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि साउथ में भी कई ऐसे सितारें हैं, जिनकी स्टार पावर किसी भी फिल्म को हिट कराने के लिए काफी है। यानि कि अगर फिल्म में किसी बड़े सितारे का छोटा सा रोल रखा जाता है तो दर्शक सिर्फ उन्हें ही देखने के लिए खिंचे चले आते हैं। और अगर बॉलीवुड की फिल्म में साउथ के बड़े अभिनेताओं का कैमियो रोल हो, फिर तो क्या ही कहने। ऐसे में हिंदी के साथ-साथ साउथ के दर्शक भी सिनेमाघरों तक आने के लिए मजबूर हो जाते हैं। इन दिनों भी हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों में साउथ के एक्टर्स के कैमियो रोल की खबरें आ रही हैं। दरअसल, पिछले काफी समय से ज्यादातर फिल्में पर्दे पर फ्लॉप हो रही हैं। ऐसे में किसी पिक्चर में साउथ के अभिनेता का कैमियो रोल बॉलीवुड को फायदा पहुंचा सकता है। हालांकि आगे क्या होता है ये तो फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल हम आपको साउथ के उन अभिनेताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बॉलीवुड में कैमियो रोल में नजर आने वाले हैं। राम चरण तेजा साउथ के सुपरस्टार हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म आरआरआर में उन्होंने खूब धमाल मचाया है। दक्षिण में रिलीज हुई उनकी फिल्म आचार्य भी हिट रही है। इसमें वह अपने पिता चिरंजीवी के साथ नजर आए थे। अब राम चरण सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में कैमियो रोल में नजर आने वाले हैं। शाहरुख खान की फिल्म जवान का पोस्टर कुछ ही दिन पहले रिलीज हुआ है। इस पोस्टर में बादशाह खान का पट्टी बांधे अनोखा अंदाज देखने को मिल रहा है।

कांग्रेस नेताओं की जुबानी जंग

सम्मति सैनी ने राधेश्याम चौबे पर लगाए भाजपा से सांठगांठ के आरोप

जबलपुर यश भारत। पंचायत चुनाव के पहले ही चरण में ग्रामीण कांग्रेस का विवाद खुलकर सामने आ गया है , जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता सम्मति सैनी द्वारा ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राधेश्याम चौबे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सम्मति सैनी ने आरोप लगाया है कि पनागर जनपद अंतर्गत आने वाले 14 नंबर जनपद सीट से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी प्रवीण चौबे जो कि ग्रामीण कॉंग्रेस अध्यक्ष राधेश्याम चौबे के बेटे हैं वे बाहरी प्रत्याशी हैं और भाजपा के समर्थन से चुनाव लड़ रहे हैं। सम्मति सैनी ने खुले शब्दों में विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि राधेश्याम चौबे इस वार्ड के निवासी नहीं है लेकिन अपने बेटे को यहां चुनाव लड़ा रहे हैं जिसके चलते क्षेत्रीय लोगों को उचित अवसर नहीं मिल रहा। सम्मति सैनी पूर्व में पनागर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सन्मति सैनी की मानें तो उन्होंने इसी वार्ड के निवासी गौरी शंकर केवट को अपना समर्थन दिया है।

इस पूरे मामले में राधेश्याम चौबे द्वारा ने भी सम्मति सैनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सीधे-सीधे कहा कि सन्मति सैनी जो पनागर के नेता बन रहे हैं वह तो खुद बाहर से आते हैं। और जब चुनाव लड़े थे तो पार्टी की जो दुर्दशा हुई है वह सबके सामने है। उन्होंने कहा कि सन्मति विधानसभा चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे हैं और क्षेत्र में इनका कोई भी आधार नहीं है। वही उनके आरोपों को निराधार बताते हुए उन्होंने पूरे क्षेत्र को अपनी राजनीतिक सक्रियता का क्षेत्र बताया । साथ ही पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा जाहिर की। कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की खुली जुबानी जंग ने कांग्रेस संगठन और उसकी एकता की कलई सबके सामने खोल कर रख दी है। यह विवाद वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के साथ-साथ पूर्व में हुए विधानसभा चुनाव की खींच भी जाहिर करता है । जिसमें सन्मति सैनी को पनागर क्षेत्र से करारी हार का सामना करना पड़ा था और राधेश्याम चौबे पर भितरघात का आरोप लगा था।

गांव के लोगों द्वारा मिलकर क्षेत्रीय व्यक्ति को प्रत्यासी बनाया गया था लेकिन राधेश्याम चौबे द्वारा अपने बेटे को यहां से चुनाव लड़ाया जा रहा है। जबकि वे यहां के निवासी नहीं है। वे यहाँ से 15 किलोमीटर दूर रहते हैं। यह चुनाव वे भाजपा की सांठगांठ से लड़ रहे हैं।

सम्मति सैनी
कांग्रेस नेता

हम कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है इस पूरे क्षेत्र में हम लोगों ने लंबे समय तक काम किया है। जहां तक रही बाहरी की बात तो जो लोग आरोप लगा रहे हैं वे खुद बाहरी हैं। और उनका जनाधार चुनावों में देखा जा चुका है। जहां तक रही भाजपा से सांठगांठ की बात तो हमारा परिवार पूरी तरह से कांग्रेस के प्रति समर्पित है।

राधेश्याम चौबे
अध्यक्ष जिला ग्रामीण कांग्रेस

गांव की सरकार चुनने दिखा भारी उत्साह

शतायु भैरोंनाथ ने भी डाला वोट

जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर, डॉ. इलैया राजा टी बुर्जुग महिला से हालचाल पूछते हुए। फोटो अशोक बर्मन

86 वर्षीय भदोबाई भी पहुंची केन्द्र

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव का पहला चरण,53 प्रतिशत मतदान

4 मत पत्रों के चलते धीमा रहा मतदान

-अजय पांडे की ग्राउण्ड रिपोर्ट-

जबलपुर,यशभारत। अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के पहले चरण में जिले के जबलपुर, कुंडम, पनागर और सिहोरा जनपद पंचायत में हो रहे चुनाव में वोट डाले जा रहे हैं। पंच, सरपंच तथा जनपद एवं जिला पंचायत सदस्य चुनने के लिये मतदान केन्द्रों में सुबह से ही मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। लंबी-लंबी कतार लगी दिखाई दीं । जिसके चलते समाचार लिख जाने तक 53 प्रतिशत मतदान हो चुका है। इनमें महिलाओं का प्रतिशत 53.4 और पुरुषों का प्रतिशत 52.6 था।

पंचायत चुनाव के पहले चरण महामहोत्सव में मतदाताओं का खासा उत्साह देखा गया। जहां सुबह से ही लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बरेला, गोसलपुर, बेलखाडू , नगना, सूरतलाई , समाधी रोड, पटपरा, खमरिया, पिपरिया, पनागर, बुढ़ागर आदि में ग्रामीणों के बीच चार मतपत्रों को लकर संशय की स्थिति रही। जिसके चलते पीठासीन अधिकारी को बार-बार कुर्सी से उठकर, ग्रामीणों को समझाना पड़ा। जिसके चलते बूथों पर लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लिया जायजा

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी मतदान की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुये हैं । उन्होंने कुंडम क्षेत्र के बघराजी, बैरागी सहित कई मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त चुनाव प्रेक्षक उपेन्द्रनाथ शर्मा ने भी बरगी बांध के डूब क्षेत्र में स्थित ग्राम कठौतिया पहुँचकर मतदान की स्थिति का जायजा लिया । पंचायत चुनाव के पहले चरण में शामिल जिले की चारों जनपद पंचायतों में मतदान शांतिपूर्ण जारी है । कुल 4 लाख 22 हजार 790 मतदाता प्रत्याशियों का भाग्य तय करेंगे। वहीं, दूसरे चरण का मतदान 1 जुलाई 2022 को होगा।

जबलपुर जिले के 4 जनपद पंचायत क्षेत्रों और 297 पंचायतों में मतदान चल रहा है । जल्दी शुरू हुए मतदान के बावजूद भी केंद्रों पर लाइनें लगी हुई थी। जिसका कारण धीमी मतदान प्रक्रिया बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पंचायत चुनावों में पंच-सरपंच, जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य के लिए वोटिंग की गई। चार मतपत्र होने की वजह से ग्रामीणों के बीच थोड़ी संशय की स्थिति देखी गई । जिस कारण वोटिंग प्रक्रिया में समय लगा। अधिकारियों का कहना है कि लंबे समय के बाद बैलेट पेपर से वोटिंग हो रही है और मतदाताओं को चार मतपत्रों पर अपना मत देना है जिसके चलते समय लग रहा है। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन के पहले चरण में जबलपुर के चार जनपद क्षेत्रों में वोटिंग हो रही है जो कि ग्रामीण क्षेत्र हैं ऐसे में यहां पर अशिक्षा और कम जागरूकता के चलते चारों मतपत्रों को समझने में थोड़ा समस्या आ रही है। जिस कारण पीठासीन अधिकारियों को ग्रामीणों को बार बार समझाना पड़ रहा है। जिस वजह से पोलिंग बूथ के बाहर भीड़ लगी हुई है।

कुंडम, पनागर सिहोरा, और बरगी में सुबह से मतदान के लिए उमड़ी भीड़

महिलाएं दिखीं जागरुक

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर शनिवार को पनागर जनपद अंतर्गत मतदान किया गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भारी भीड़ देखी गई । जानकारी के मुताबिक पंचायत नगरीय निकाय चुनाव का यह पहला चरण है । जहां बूथों पर सुबह 7 बजे से ही ग्रामीण वोट डालने पहुंच। बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे । जिसमें ज्यादातर संख्या महिलाओं की रही।

दिव्यांग ने किया मताधिकार का प्रयोग

- जबलपुर से सटे उप नगरीय क्षेत्र बेलखाडू में भी पंचायत चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया । जहां बड़ी संख्या में मतदाता मतदान करने पहुंचे। यहां सुबह 7:00 बजे से ही लंबी लंबी लाइन देखी जा रही है। आम मतदाताओं के साथ-साथ यहां दिव्यांगों में भी वोटिंग को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है । जैसा कि तस्वीरों में देखा जा सकता है किस तरह चलने फिरने में असमर्थ लोग लोकतंत्र के इस महोत्सव में अपनी सहभागिता देने आ रहे है। चलने फिरने में असहाय होने के बाद भी बड़ी संख्या में मतदान केंद्र पर पहुंच रहे हैं ऐसे नजारे लगभग हर पोलिंग बूथ पर देखने को मिल रहे है। जहां लोग बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रहे हैं।

109 वर्षीय बुजुर्ग भैरव नाथ ने अपना वोट डाला

पंचायत चुनाव के पहले चरण में बुजुर्गों में मताधिकार का इस्तेमाल करने खासा उत्साह दिखाई दिया । बरेला रिछाई स्थित मतदान केंद्र में 109 वर्षीय बुजुर्ग भैरव नाथ ने अपना वोट डाला । वोट डालने के बाद उन्होंने सभी से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील भी की । जबलपुर (बरगी) जनपद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सालीवाड़ा गौर, देवरी पटपरा, धनपुरी और रिछाई बरेला के मतदान केंद्रों में दोपहर को भी महिलाओं और युवाओं की लंबी कतारें देखी गई ।

86 वर्षीय महिला भदो बाई ने भी डाला वोट

पंचायत चुनाव के पहले चरण में जबलपुर जनपद पंचायत के ग्राम बरेला रिछाई स्थित मतदान केंद्र में 86 वर्षीय महिला भदो बाई ने भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया ।

7 साल के अंतराल के बाद मप्र में पंचायत चुनाव

करीब 7 साल के अंतराल के बाद मप्र में पंचायत चुनाव हो रहे हैं। जिले के 7 ब्लॉक में से 4 ब्लॉक बरगी, पनागर, कुंडम और सिहोरा में पंचायत चुनाव का मतदान शुरू हो गया है। पहले चरण के इस मतदान में पंच और सरपंच के अलावा 84 जनपद सदस्य और 10 जिला पंचायत सदस्य का मतदान जारी है। चारों ब्लॉक की 270 ग्राम पंचायतों के लिए 780 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चारों ब्लॉक के कुल 4 लाख 22 हजार 790 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कांग्रेस को लिया आड़े हाथ

बीडी ने कहा- अग्रिवीर योजना अवसर देने वाली है, कांग्रेस के जीन्स में अंग्रेजों का खून है, वह नौटंकी बंद करे

जबलपुर,यशभारत। शहर पहुंचे भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से मुखातिब होते ही अग्रिवीर योजना को लेकर कांग्रेस के द्वारा किए जा रहे लगातार विरोध को गलत ठहराते हुए जमकर आड़ेहाथ लिया। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के जीन्स में ही अंग्रेजों का खून है। वह फूट डालो और राज करों की नीति के तहत नौटंकी कर रही है। इसके पूर्व उन्होंने भाजपा मीडिया सैल का उद्घाटन किया। श्री शर्मा ने अग्रिवीर योजना को लेकर कहा कि यह वहीं योजना है जो देश के युवाओं को नवीन अवसर प्रदान कर रही है। इस योजना के द्वारा देश के युवा प्रशिक्षित होंगे। लेकिन देश में जो वातावरण बिगाड़ा जा रहा है उसमें काग्रेंस का हाथ है। यह नौटंकी बंद करे।

कमलाथ जबलपुर नहीं आएंगे- हो चुका हिसाब-किताब

वहीं उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि कर्जा माफ करने का वायदा किया था, लेकिन वह मुकर गए। प्रदेश की लाभदायक योजनाओं को बंद कराने के पीछे कांग्रेस का हाथ है। मैं कमलनाथ जी का बहुत सम्मान करता हूं। लेकिन वह अब जबलपुर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका हिसाब-किताब हो चुका है।

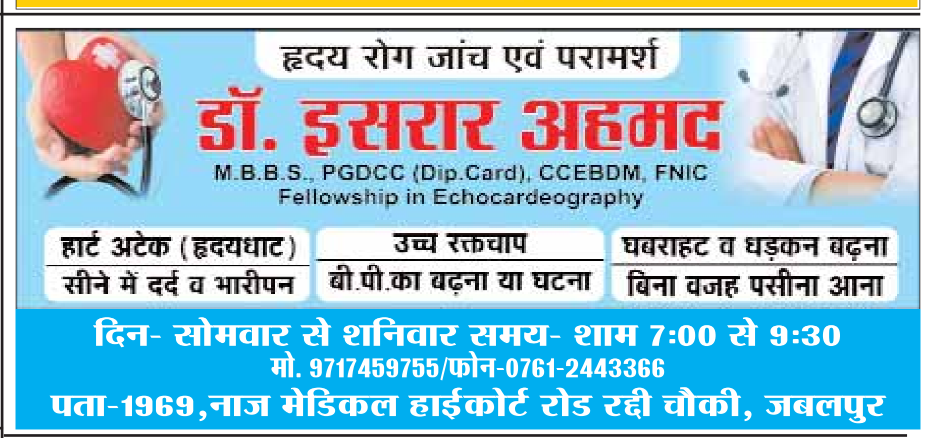

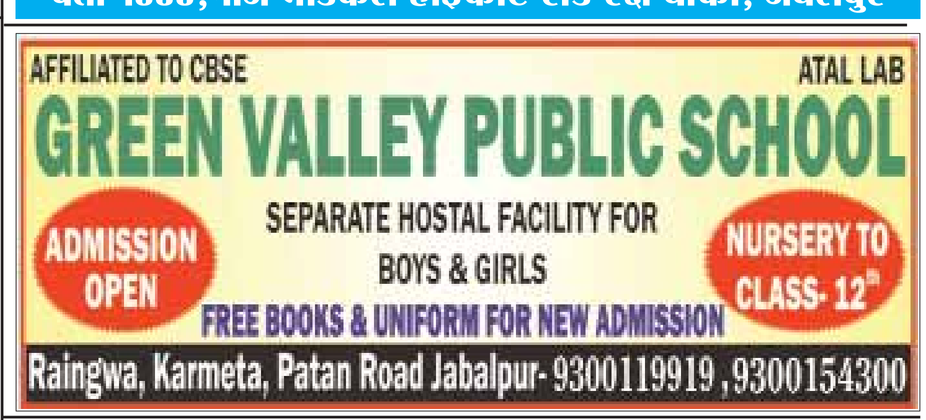

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)